शकुन टाइम्स

निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज

गोरखपुर, शनिवार 28 दिसम्बर 2024 नगर संस्करण | पृष्ठ:-8 मूल्य:-4 रूपया | वर्षः- 13, अंक 351

बोले- दो बार गलती हो गई... • लखनऊ से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र • इरफान पठान ने एयूएस मीडिया की...

निगम बोध घाट पर होगा मनमोहन सिंह अंतिम संस्कार

कांग्रेस ने दिल्ली में स्मारक स्थल की मांग की, पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व पीएम के आवास पहुंच श्रद्धांजलि अर्पित की

- मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए दीजिए जगह, खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा नेता और सांसद राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में बैठक हुई। यह बैठक पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए बुलाई गई थी। वहीं, कांग्रेस ने केंद्र से मांग की है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए दिल्ली में यमुना नदी के किनारे स्थल दी जाए, जहां कई पूर्व प्रधानमंत्रियों के स्मारक हैं।

कांग्रेस का साफ तौर पर मानना है कि दिवंगत पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के लिए उनके कद के अनुसार अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए उचित स्थान दिया जाना चाहिए। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार कल (28 दिसंबर) सुबह 11ः45 बजे निगम बोध घाट पर किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कांग्रेस कार्य समिति एक सच्चे राजनेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करती है, जिनके जीवन और कार्य ने भारत की नियति को गहराई से आकार दिया है।

डॉ. सिंह भारत के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में एक महान व्यक्ति थे, जिनके योगदान ने देश को बदल दिया और उन्हें दुनिया भर में सम्मान मिला। 1990 के दशक की शुरुआत में वित्त मंत्री के रूप में, डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार थे। इसमें आगे कहा गया कि बेजोड़ दूरदर्शिता के साथ, उन्होंने सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसने न केवल देश को भुगतान संतुलन संकट से बचाया बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए दरवाजे भी खोले। विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को प्रोत्साहन की अपनी नीतियों के माध्यम से, उन्होंने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि की नींव रखी। उनके नेतृत्व में, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा, जो उनकी प्रतिभा और दूरदर्शिता का प्रमाण है। मनमोहन सिंह के निधन पर सोनिया गांधी ने भी बड़ा संदेश लिखा है। उन्होंने लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से, हमने एक ऐसा नेता खो दिया है जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता का प्रतीक था, जिसने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। कांग्रेस पार्टी के लिए एक चमकदार और प्रिय मार्गदर्शक, उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया और सशक्त बनाया। उनके शुद्ध हृदय और उत्कृष्ट दिमाग के कारण उन्हें भारत के लोग बहुत प्यार करते थे। गांधी ने कहा कि उनकी सलाह, बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह और विचारों की हमारे देश के राजनीतिक क्षेत्र में उत्सुकता से मांग की जाती थी और उन्हें गहराई से महत्व दिया जाता था। दुनिया भर के नेताओं और विद्वानों द्वारा उनका सम्मान और प्रशंसा की गई, उन्हें अपार ज्ञान और कद के राजनेता के रूप में सराहा गया। डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने द्वारा संभाले गए प्रत्येक उच्च पद पर प्रतिभा और विशिष्टता लाई। और उन्होंने भारत को गौरव और सम्मान दिलाया। मेरे लिए डॉ. मनमोहन सिंह का निधन एक गहरी व्यक्तिगत क्षति है। उन्होंने कहा कि वह मेरे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। वह अपने व्यवहार में बहुत सौम्य थे लेकिन अपने गहरे विश्वासों में बहुत दृढ़ थे। सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता गहरी और अटूट थी। उनके साथ कोई भी समय बिताने का मतलब उनके ज्ञान और दूरदर्शिता से प्रबुद्ध होना, उनकी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा से प्रभावित होना और उनकी वास्तविक विनम्रता से आश्चर्यचकित होना था। वह हमारे राष्ट्रीय जीवन में एक ऐसा शून्य छोड़ जाते हैं जिसे कभी नहीं भरा जा सकता। हम कांग्रेस पार्टी में और भारत के लोग हमेशा इस बात पर गर्व और आभारी रहेंगे कि हमारे पास डॉ. मनमोहन सिंह जैसा नेता था, जिनका भारत की प्रगति और विकास में योगदान अतुलनीय है।

■ खेल जगत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

■ आप सांसद संजय सिंह ने की मनमोहन सिंह के लिए भारत रत्न की मांग

मोदी मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रख कर मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डॉ. सिंह की स्मृति में शोक प्रस्ताव भी पारित किया और तय किया कि उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. सिंह को श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि दिवंगत नेता के सम्मान में 1 जनवरी 2025 तक सात दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस शोक अवधि के दौरान पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। विदेश स्थित सभी भारतीय मिशनों/उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज 01 जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए आधा झुका रहेगा। मंत्रिमंडल की बैठक में तय किया गया कि डॉ. सिंह का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के दिन सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों और सीपीएसयू में आधे दिन की छुट्टी घोषित की जाएगी। बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में पारित शोक प्रस्ताव में कहा गया।

डॉ. सिंह का जीवन विपरीत परिस्थितियों में ऊंचाई हासिल करने की प्रेरणा देता है: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल करने की प्रेरणा देता है। डॉ सिंह का गुरुवार रात यहां एम्स में निधन हो गया था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यहां बताया कि श्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री ने कहा, जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है और विभाजन के दौरान भारत आने के बाद बहुत कुछ खोने के बावजूद डॉ. सिंह बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्ति थे। डॉ. सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों से कैसे ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल किया जाए। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि डॉ. सिंह को हमेशा एक दयालु व्यक्ति, एक विद्वान अर्थशास्त्री और सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने केन्द्र सरकार में डॉ. सिंह के एक अर्थशास्त्री के रूप में विभिन्न स्तरों पर अनगिनत योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में डॉ. सिंह की भूमिका की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व

पूर्व पीएम डॉक्टर मनमोहन सिंह का निधन भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षतिः सीएम योगी

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह अब हमारे बीच नहीं रहे। 92 वर्ष की उम्र में उन्होंने दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। गुरुवार देर शाम अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली एम्स के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां रात करीब 9 बजकर 51 मिनट पर उनका निधन हो गया। इस दुखद घटना पर पूरे देश में शोक की लहर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री डा मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये कहा है कि यह भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति है। योगी ने एक्स पर लिखा पूर्व प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति है। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश की शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल परिजनों व समर्थकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओमः शांति। डॉ. मनमोहन सिंह भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के एक अद्वितीय व्यक्तित्व थे। उनके नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार देखे, जिन्होंने देश की प्रगति की दिशा को बदल दिया। उनके निधन से देश ने न केवल एक कुशल राजनेता बल्कि एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री को खो दिया है। उनका योगदान भारतीय राजनीति और समाज में सदैव याद किया जाएगा।

यूपी में जमीन खरीद सीमा तय

ज्यादा खरीदने पर सरकार के कब्जे में जाएगी जमीन

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रॉपर्टी जमीन खरीदने के लिए नया नियम लागू किया है। इस नियम के तहत प्रॉपर्टी खरीदने की एक तय सीमा निर्धारित की गयी है जिससे राज्य में जमीन के अंधाधुंध अधिग्रहण पर रोक लगाई जा सके।यह कदम आम जनता हितो की सुरक्षा और कृषि योग्य भूमि के संरक्षण के उद्देश्य से उठाया गया।

उत्तर प्रदेश में किसी भी व्यक्ति को अधिकतम 12.5 एकड़ कृषि भूमि खरीदने की अनुमति यह नियम सुनिश्चित करता है कि राज्य में जमीन का उपयोग को व्यवस्थित रखा जा सके और अधिक भूमि खरीदने की स्थिति में वह जमीन राज्य सरकार की नियंत्रण में चली जाएगी। यह कदम भूमि विवादों और अराजकता को कम करने के लिए आवश्यक माना गया है।सरकार ने स्पष्ट किया है की जमीन खरीदने की नियमों का नाम पालन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही है। किसी प्रॉपर्टी खरीदने बेचने की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। खतौनी वर्णन दस्तावेजों की जांच अनिवार्य कर दी गया था ताकि भूमि से संबंधित धोखाधड़ी को रोका जा सके। खरीदने से पहले जमीन की खतौनी और नक्शे की जांच करें। जमीन सरकारी न हो, श्रेणी 1 (क) में दर्ज हो। जमीन मालिक से उसकी खतौनी दस्तावेज और 16 अंकों का कोड प्राप्त करें। यदि अंतिम अंक 12 नहीं है तो उसे जमीन को खरीदने से बचे। जमीन कृषि उपयोग या सार्वजनिक उपयोग की श्रेणी में न आती हो, जैसे चकरोड, मरघट या चारागाह।

प्रॉपर्टी खरीदने से पहले रजिस्ट्री ऑफिस में 12 साल की रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड की जांच की करे यदि जमीन किसी एससी एसटी समुदाय के व्यक्ति से खरीदी जा रही है तो स्थानीय जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति लेने अनिवार्य है ,बिना अनुमति खरीदी गई जमीन राज्य सरकार के कब्जे में जा सकती है।

भारत के अलग-अलग राज्यों में जमीन खरीदने की अलग-अलग सीमा निर्धारित है। कर्नाटक और महाराष्ट्र में अब 54 एकड़ तक जमीन खरीद सकते हैं। पश्चिम बंगाल में यह सीमा 24.5 एकड़ है। केरल में केवल 7.5 एकड़ जमीन खरीदने की अनुमति है। बिहार में सीमा 15 एकड़ है जबकि हिमाचल प्रदेश में 32 एकड़ तक है। हर राज्य में भूमि खरीदने के नियम स्थानीय कानूनों, भू-प्रबंधन की आवश्यकताओं पर निर्भर करते हैं।

महाराष्ट्र के गोंदिया में 7 लाख के इनामी नक्सली देवा ने किया सरेंडर

मुंबई। 7 लाख रुपये के इनामी 27 वर्षीय नक्सली ने महाराष्ट्र के गोंदिया में आत्मसमर्पण कर दिया। देवा उर्फ अर्जुन उर्फ राकेश सुमदो मुदाम प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के मलाजखंड दलम और पामेड़ प्लाटून नंबर 9 का हिस्सा था। देवा ने कलेक्टर प्रजीत नायर, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे और अतिरिक्त एसपी नित्यानंद झा के सामने अपने हथियार डाल दिए। पुलिस द्वारा साझा किए गए बयान के अनुसार, देवा, जिस पर 7 लाख रुपये का इनाम है, गढ़चिरौली के टीपागढ़, छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के झिलमिली काशीबेहरा बकरकट्टा में गोलीबारी के मामलों के साथ-साथ नक्सली हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमलों की अन्य घटनाओं में शामिल था। कलेक्टर प्रजीत नायर, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे और अतिरिक्त एसपी नित्यानंद झा के सामने हथियार डाल दिए।

26/11 अटैक के गुनहगार अब्दुल रहमान मक्की की मौत

लाल किले पर हमले में भी शामिल था

एजेंसी

मुंबई। आतंकी हमले के साजिशकर्ता और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के उप प्रमुख हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की शुक्रवार, 27 दिसंबर को दिल का दौरा पड़ने से पाकिस्तान में मौत हो गई।

मक्की पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और उनका लाहौर के एक निजी अस्पताल में उच्च शर्करा स्तर का इलाज चल रहा था। मई 2019 में मक्की को पाकिस्तान सरकार ने गिरफ्तार कर लिया और लाहौर में नजरबंद कर दिया गया। 2020 में एक पाकिस्तानी अदालत ने भी उसे आतंकी वित्तपोषण से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जनवरी 2023 में मक्की को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा वैश्विक आतंकवादी भी घोषित किया गया था। मक्की 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के लिए वित्तपोषण प्रदान करने में शामिल था, जिसमें 166 लोग मारे गए थे। आतंकवाद विरोधी अभियानों में कुल नौ आतंकवादी भी मारे गए और एक आतंकवादी आमिर अजमल कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया। मुंबई आतंकी हमले के अलावा, मक्की लाल किला हमले में शामिल होने के कारण सुरक्षा एजेंसियों द्वारा भारत में एक वांछित आतंकवादी भी था, जहां छह (एलईटी) आतंकवादियों ने 22 दिसंबर, 2000 को लाल किले पर हमला किया था और गोलीबारी की थी। 2018 में वरिष्ठ पत्रकार और राइजिंग कश्मीर अखबार के प्रधान संपादक शुजात बुखारी और उनके दो सुरक्षा गार्डों की हत्या में भी मक्की का आतंकी संगठन लश्कर शामिल था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित करते हुए कहा था, सुरक्षा परिषद समिति आईएसआईएल (दाएश) के संबंध में प्रस्ताव 1267 (1999), 1989 (2011) और 2253 (2015) के अनुसार, अल-कायदा, और संबंधित व्यक्तियों, समूहों, उपक्रमों और संस्थाओं ने इसके आईएसआईएल (दाएश) और अल-कायदा में नीचे निर्दिष्ट प्रविष्टि को जोड़ने को मंजूरी दी।

मारूति सुजुकी के मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का निधन

एजेंसी

नयी दिल्ली। वाहन निर्माता जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कार्पोरेशन के वरिष्ठ सलाहकार एवं यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक और मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। मारूति सुजुकी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये श्री सुजुकी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। कंपनी ने कहा है कि श्री सुजुकी एक दूरदर्शी नेता थे, जिनके उल्लेखनीय योगदान ने वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग को आकार दिया। भारत में, उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने 1981 में मारुति उद्योग लिमिटेड के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने विजन के साथ श्री सुजुकी ने लाखों भारतीय परिवारों को किफायती, विश्वसनीय, कुशल और अच्छी गुणवत्ता वाले वाहनों से सशक्त बनाकर भारत को पहियों पर लाने के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में, भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग ने जापानी विनिर्माण और कार्य प्रथाओं को अपनाया, जिन्हें टीमवर्क, उत्पादकता और लागत प्रभावशीलता के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

सम्पत्ति का ब्यौरा नही तो प्रमोशन भी नहीं

पीसीएस अफसरों को योगी सरकार की हिदायत

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार पीसीएस अधिकारियों पर सख्त हो गई है। पीसीएस अधिकारियों के लिए 31 जनवरी 2025 तक संपत्तियों का ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया गया है।

इस अवधि तक ऑनलाइन सूचना न देने वालों की पदोन्नतियां रोकी जाएंगी। उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली के तहत कार्रवाई भी की जाएगी। राज्य कर्मियों के लिए भी 31 जनवरी तक संपत्तियों का ब्योरा न देने पर पदोन्नतियां नहीं दी जाएंगी।प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम देवराज ने शासनादेश जारी करते हुए सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश भेज दिया है। उत्तर प्रदेश सिविल सेवा कार्यकारी शाखा के अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि के पुराने प्रारूप को निरस्त करते हुए उसके स्थान पर नया जारी किया गया है।नई व्यवस्था में वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट निर्धारित करते हुए हर साल की 31 जनवरी तक निर्धारित प्रारूप पर वार्षिक संपत्ति विवरण नियुक्ति विभाग को देने की व्यवस्था की गई है। 31 दिसंबर 2024 तक अर्जित चल अचल संपत्ति का विवरण वेबसाइट `चंततवू-चबे.नच.हवअ.पद पर 31 जनवरी तक अनिवार्य रूप से देना होगा। इस अवधि तक संपत्तियों की जानकारी ऑनलाइन न देने पर इसे प्रतिकूल रूप में लिया जाएगा और एक फरवरी के बाद होने वाली डीपीसी में उनके नामों पर विचार नहीं किया जाएगा। जब तक ऑनलाइन संपत्तियों का ब्यौरा नहीं दे दिया जाएगा पदोन्नति के लिए उनके नामों पर विचार नहीं किया जाएगा। राज्य कर्मियों के लिए वर्ष 2024 में अर्जित की गई संपत्तियों का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर 31 जनवरी तक देना अनिवार्य किया गया है। मानव संपदा पोर्टल पर वर्ष 2024 का विवरण प्रस्तुत करने की सुविधा 1 जनवरी से शुरू हो जाएगी।

RNI : UPHIN/2012/45286

शकुन टाइम्स

निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (प्रिन्ट एवं डिजिटल मीडिया)

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत

YouTube shakuntimes

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश के सम्पूर्ण जिले में तहसील और ब्लाक स्तर पर संवाददाता की

प्रिन्ट एवं डिजिटल मीडिया

यदि आप भी समाज में फैले हुए भ्रष्टाचार के विरूद्ध उठाना चाहते है आवाज़ तो शकुन टाइम्स दे रहा है आपको एक बेहतरीन मौका

अधिक जानाकरी के लिए

अपना नाम व जिला हमें

WhatsaApp करें

9935781155, 9415052283

युवा भाजपा नेता दीपक सिंह का पनियरा में जनसंपर्क हुआ तेज

योगी सेवक दीपक सिंह ने दिया कंधा क्षेत्र में काफी चर्चा

शकुन टाइम्स संवाददाता

महराजगंज। पनियरा विधान सभा में शुक्रवार को भाजपा नेता दीपक सिंह ने जनसंपर्क के दौरान ग्राम सभा रतनपुरवां में निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष अमरनाथ निषाद के चाची की मृत्यु की सूचना पाकर मौके पर पहुंच कर कन्धा देकर भाई चारे का संदेश दिया। इतना ही नहीं लोगो का सुख दुख जानने के लिए गांवों में जाकर लोगों की जनसमस्याओं को सुन कर निस्तारण करने का प्रयास कर रहे हैं । उनके कांधा देने की चर्चा क्षेत्र में जोरों पर है। आज तक किसी नेता ने ऐसा नहीं किया था। इस बात को लेकर क्षेत्र में काफी चर्चा चल रहा है।

इस दौरान भाजपा नेता नें मंसूरगंज, रामपुर, गांगी बाजार बेनीगंज,देवीपुर सतगुर, का दौरा किया। इस मौके पर,विशाल मौर्य धनंजय दिनेश गुप्ता, विजय सिंह, अजय सहानी, आलोक मद्धेशिया, जनार्दन निषाद आनंद सिंह, संजय चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

मधू की मौत, परिजनों ने सड़क जाम किया

शकुन टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। चिलुआताल थाना के मजनू चौकी अंतर्गत ग्राम सभा दहला में विगत दिनों आग लगने से घायल मधू की बृहस्पतिवार की रात में मौत हो गई। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर डोहरिया-जंगल कौड़िया मार्ग को जाम कर दिया। क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज गौरव त्रिपाठी के समझाने बुझाने पर जाम किसी तरह हट सका।

स्थानीय थाना के मजनू चौकी अंतर्गत बृहस्पतिवार की रात लगभग तीन बजे मधू की मौत हो गई, जिससे आक्रोशित रिश्तेदारों और गांव के लोगों ने शव गांव पहुंचने से पहले ही डोहरिया-कौड़िया मार्ग को जाम कर दिया। चिलुआताल पुलिस की देखरेख में शव गांव पहुंचते ही परिजनों और रिश्तेदारों ने शव को भी सड़क पर रख कर नारेबाजी करने लगे और हत्यारे को फांसी देने की मांग करने लगे। इससे पहले इलाज के दौरान मधु के पति बृजेश निषाद, अरविंद निषाद और उसकी पत्नी माला देवी की मौत हो गई थी। आग से झुलसे पांच लोगों में तीन वर्षीय रिद्धिमा और एक बड़ा बेटा विवेक भी घायल हैं।

आपको बताते चलें कि इस मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार किया जा चुका है जिसमें पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त सामाचार

रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी फर्रुखाबाद-छपरा एक्सप्रेस

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा मऊ-शाहगंज खंड पर आजमगढ़ एवं फरिहा स्टेशनों के मध्य समपार संख्या 33 पर लिमिटेड हाइट सब-वे के निर्माण के परिप्रेक्ष्य में गर्डर के कार्य हेतु ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिये जाने के कारण फर्रुखाबाद से 02 जनवरी, 2025 को चलने वाली 15084 फर्रुखाबाद-छपरा एक्सप्रेस फर्रुखाबाद से 120 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

टनकपुर-दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस के संचलन अवधि का किया गया विस्तार

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05097/05098 टनकपुर- दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस के संचलन अवधि का विस्तार टनकपुर से 30 दिसम्बर, 2024 से 31 जनवरी, 2025 तक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को तथा दौराई से 31 दिसम्बर, 2024 से 01 फरवरी, 2025 तक मंगलवार, बृहस्पतिवार एवं शनिवार को 15 फेरों के लिये किया गया है। विस्तारित अवधि में इस गाड़ी का ठहराव, मार्ग एवं समय पूर्ववत रहेगा।

सर्वश्रेष्ठ अर्थशास्त्री कर्मयोगी शान्ति प्रिय महान इंसान को हम सब ने खो दिया: सिंघानिया

गोरखपुर। चेंम्बर ऑफ कॉमर्स की एक बैठक संस्था के अध्यक्ष संजय सिंघानिया ने कहा कि भारत के पुर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी इस दुनिया में नहीं रहे उनका भारतीय राजनीति में बहुत बड़ा योगदान था उन्होंने आर्थिक सामाजिक क्षेत्र में बड़े परिवर्तन किए उनका यह योगदान देश हमेशा याद रखेगा पीएम रहते हुए उन्होंने देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दिया उनका निधन देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है देश ने एक बेमिसाल पुर्व प्रधानमंत्री, सर्वश्रेष्ठ अर्थशास्त्री और कर्मयोगी शान्ति प्रिय महान इंसान को हम सब ने खो दिया! डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन राष्ट्र की क्षति है! उनके योगदान को इतिहास स्वर्णाक्षरों में दर्ज करेगा! हम सब की गहरी संवेदना उनके अपनों के साथ है भगवान से प्रार्थना है उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें उनके परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें उपस्थित लोगों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी बैठक में आनंद गुप्ता पवन गुप्ता मनोज अग्रवाल पवन सिंघानिया मनोज गोयल विजय अग्रवाल घिरज गुप्ता अमित कसौधन रमेश कसौधन सुरेश अग्रवाल गुलज़ार यादव पुरुषोत्तम अग्रवाल राजेंद्र चादवासिया राहुल देव मिश्रा श्रवण तुलस्यान विजय सिंघानिया गब्बु यादव राजु गुप्ता विशाल अग्रहरी मनोज त्रिपाठी सहित काफी व्यापारी मौजूद थे

ककरही में रेलवे अंडर पास निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने दिया ज्ञापन

बहराइच। जिले में ग्राम पंचायत सलारपुर के ग्रामीणों ने शुक्रवार को रेलवे अंडर पास निर्माण के लिए जिलाधिकारी मोनिका रानी को ज्ञापन दिया। सभी ने जनता हित में रेल चौड़ीकरण को देखते हुए ग्राम पंचायत के ककरही में रेलवे अंडर पास निर्माण की मांग की।चितौरा विकास खंड के ग्राम पंचायत सलारपुर के मजरा घोसियाना, लोधनपुरवा, नयापुरवा, पुरबियनपुरवा, खालेपुरवा, पट्टापुरवा और ककरही शामिल हैं। गांव में दो प्राथमिक विद्यालय संचालित है। इस समय ग्राम पंचायत की ओर से रेलवे पटरी चौड़ीकरण का काम कर रहा है। ऐसे में ककरही में अंडर पास का निर्माण नहीं हुआ तो लोगों को चार किलोमीटर की दूरी तय कर अपने गंतव्य की ओर जाना पड़ेगा।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

शकुन टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। पंडित ठाकुर प्रसाद त्रिपाठी किसान पीजी कॉलेज आभूराम, तुर्कवलिया में एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई।

कॉलेज के प्रबंधक ई. एएन. त्रिपाठी ने कहा कि मनमोहन सिंह एक विख्यात अर्थशास्त्री थे और भारत के बड़े अर्थशास्त्रियों में उनकी गिनती होती थी। उनके निधन पर पूरा देश दुखी है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को यह दु:ख सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

इसी क्रम में, महाविद्यालय परिवार के कर्मचारी भरत पाण्डेय की माता को भी श्रद्धांजलि दी गई, जिनका निधन भी गुरुवार की रात को हो गया था। इस अवसर पर पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राम सांवले मिश्र और शिक्षकों के साथ ही डीएलएड कॉलेज और आई टी आई कॉलेज के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाकुंभ के दौरान काशी आने वाले श्रद्धालुओं को समुचित सुविधाएं उपलब्ध हो- एडीएम सिटी

शकुन टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (नगर) आलोक कुमार वर्मा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में महाकुंभ के दौरान काशी आने वाले श्रद्धालुओं को समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु तैयारियां समय से पूर्ण किए जाने हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने क्षेत्रवार होटलों का नाम एवं उनके संपर्क नंबर की सूचना शहर के प्रमुख चौराहा एवं स्थान पर डिस्प्ले कराए जाने हेतु निर्देशित किया। जिससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाए।इस दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने के लिए रूट डाइवर्जन प्लान भी चर्चा कर आवश्यक दिशा

निर्देश दिए। एडीएम सिटी ने महाकुंभ की प्रमुख स्नान की तिथियां के पूर्व एवं पश्चात वाराणसी में आने वाले भारी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों की दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने पर विशेष जोर दिया। जनपद वाराणसी के प्रवेश मार्गों पर स्वागत द्वार लगाए जाने के साथ ही ओवरहेड और कैन्टीलीवर को प्रमुख राजमार्ग और राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगाये जाने की व्यवस्था कराए जाने हेतु भी निर्देशित किया।सभी होटलों एवं पेइंग गेस्ट पर सिटी मैप पर्यटन स्थलों की सूची,संबंधित प्रचार सामग्री तथा कुम्भ सम्बन्धी प्रचार सामग्री की व्यवस्था किया जाय। बैठक में होटल एसोसिएशन, गाइड एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ ही उपनिदेशक पर्यटन,एवं अन्य विभागीय अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मिड-डे-मील की बात पूछने पर भड़कते हैं अधिकारी

शिक्षा विभाग में दम तोड़तीं सरकारी कल्याणकारी योजनाऐं

शकुन टाइम्स संवाददाता

जलालाबाद-शाहजहाँपुर। गैर जिम्मेदाराना कार्य प्रणाली का परिचय देते हुए अपनी कमियों और लापरवाही पर पर्दा डालते हुए अपनी ही बात मनवाने पर अडिग रहना अधिकारियों का फैशन बनता जा रहा है। सच्चाई पर पर्दा डालते हुए कुतर्क करना और सच्चाई का पर्दाफाश होने के बाद झुंझलाहट भरे अंदाज में टीचर से कहना फोन पर यह बातें न किया करो, उन अधिकारियों की हताशा को प्रदर्शित करता है।

तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी डा. सुनील कुमार सिंह के जलालाबाद से स्थानांतरण के बाद उनके द्वारा की गई उपलब्धियों पर पानी फिरता दिखाई पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं को पलीता तो लग ही रहा है, शिक्षण कार्य भी प्रभावित होने लगा है। दरअसल मिड डे मील का राशन और कन्वर्जन कास्ट न दिए जाने की बात पूछने पर भड़कीं खंड शिक्षा अधिकारी शाहीन अंसारी स्कूल के इंचार्ज शिक्षक पर जमकर बरसीं बोली यह बात फोन पर कहने के बजाय कार्यालय आकर भी तो कही जा सकती है, शिक्षक यही बात बार-बार समझाने का प्रयास कर रहा था कि उन्होंने गलत क्या कह दिया? मैडम उनके द्वारा लिखित प्रार्थना पत्र कार्यालय में दिया गया है जिसकी रिसीविंग उनके पास मौजूद है बावजूद इसके कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई है, तीन माह का मिड डे मील का राशन और दो माह से कन्वर्जन कास्ट उपलब्ध नहीं कराई गई है ऐसी परिस्थितियों में मिड डे मील का भोजन प्रतिदिन बनाया जाना उनके लिए कठिन साबित हो रहा है। यहां तक की उन्होंने पूर्व में स्कूल में शौचालय निर्माण कराया था जिसका 80 हजार रुपया दो साल से बकाया चल रहा है जो अभी तक नहीं भेजा गया है। फ्लिहाल अपनी हठधर्मिता के चलते खंड शिक्षा अधिकारी शाहीन अंसारी ने इस बात को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया कि किसी भी विद्यालय में मिड डे मील का राशन और कन्वर्जन कास्ट की धनराशि उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। खंड शिक्षा अधिकारी के इस तरह के व्यवहार और अभद्र भाषा शैली से यह प्रतीत ही नहीं होता कि वह शिक्षा विभाग के किसी अधिकारी से बात कर रहे हैं एक पढ़े-लिखे इंसान से इस तरह की उम्मीद नहीं की जा सकती जिस तरह का परिचय खंड शिक्षा अधिकारी ने बृहस्पतिवार को दिया। यह पूरा मामला नगर जलालाबाद के राधेश्याम चक्की वाली गली के स्कूल का है।

ट्रैफिक पुलिस का चला हंटर, नो पार्किंग में खड़े 154 वाहनो का किया चालान

शकुन टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक यातायात के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक यातायात के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन हेतु शहर क्षेत्र में संयुक्त चेकिंग अभियान चलाकर निम्नलिखित कार्यवाही की गयी । अभियान के दौरान पैडलेगंज चौराहा, टी0पी0 नगर चौराहा, असुरन चौराहा एवं मोहद्दीपुर चौराहा पर सड़क के दोनो तरफ ठेला खोमचा अवैध अतिक्रमण तथा सड़क के किनारे नो पार्किंग में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गयी। सड़क पर नो पार्किंग में खड़े 154 वाहनों का एम0वी0 एक्ट की धारा के अन्तर्गत चालान की कार्यवाही की गयी तथा 04 वाहनों को सीज किया गया । इस दौरान ठेला खोमचा वालों द्वारा किये

गये अतिक्रमण को हटाया गया तथा लाउडहेलर के माध्यम से उन्हे अतिक्रमण न करने हेतु बताया गया । इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 781 वाहनों का एम0वी0एक्ट की विभिन्न धाराओ में चालान किया गया । एस पी ट्रैफिक संजय कुमार ने कहा कि यह कार्यवाही निरन्तर चलती रहेगी।

1.13 करोड़ की लागत से बादशाहनगर रेलवे स्टेशन को किया जा रहा अपग्रेड

शकुन टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर,। पूर्वोत्तर रेलवे पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विश्वस्तरीय यात्री सुविधायें उपलब्ध कराने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के लखनऊ परिक्षेत्र के बादशाहनगर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रु. 31.13 करोड़ की लागत से नयी सुविधाओं के साथ ही पुरानी सुविधाओं को अपग्रेड किया जा रहा है। इस कार्य योजना के अन्तर्गत बादशाहनगर स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के सरकुलेटिंग एरिया के विकास तथा स्थानीय कला एवं संस्कृति को सम्मिलित करते हुए स्टेशन का सुंदरीकरण, ''प्लेटफार्म सरफेस'' का अपग्रेडेशन, 'स्टेशन फसाड' तथा स्टेशन परिसर में उन्नत लाईटिंग,

कोच गाइडेंस सिस्टम, टेक्ज डिस्पले बोर्ड, डिजिटल घड़ियां, यात्री उदघोषणा प्रणाली, सोलर प्लांट, वाटर कूलर, एयर कंडीशनर तथा विभिन्न यात्री सुविधाओं से संबंधित ग्लोसाइन बोर्ड (साइनएज), एल.ई.डी. स्टेशन नाम पट्टिकाओं, 12 मीटर चौड़ा पैदल उपरिगामी पुल (एफ.ओ.बी.) एवं स्टेशन पर स्थित यात्री प्रतीक्षालय व शौचालयों का आधुनिकीकरण तथा स्टेशन पर 03 लिफ्ट व 02 सेट एस्केलेटर लगाने इत्यादि के कार्य सम्पन्न किए जा रहे है। वर्तमान में बादशाहनगर रेलवे स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश द्वार के साइड सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग, एप्रोच रोड, स्टेशन भवन पाथ-वे, लैंड स्केपिंग, फसाड, पोर्च का कार्य, वेटिंग हाल व प्रसाधन ब्लाक एवं पी.आर.एस. काउन्टर, (एफ.ओ.बी. के कार्य को छोड़कर) का निर्माण कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो गया है। द्वितीय प्रवेश द्वार बन जाने से निशांतगंज एवं पेपर मील कालोनी के तरफ से आने वाले लोगो को विशेष लाभ होगा तथा बादशाहनगर रेलवे स्टेशन, दोनो तरफ से आवागमन करने वाले यात्रियों के लिए उत्कृष्ट सुविधा प्रदान करेगा।

निशुल्क स्वास्थ्य शरीर का हुआ आयोजन

शकुन टाइम्स संवाददाता

भटहट/गोरखपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत इस्लामपुर में नीति आयोग भारत सरकार द्वारा नेशनल मानवाधिकार चेतना संगठन जनपद इकाई गोरखपुर के तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य का आयोजन किया गया । इस कैम्प में डाक्टर फ़ैज़ अहमद और डाक्टर एम एस चौधरी मुख्य चिकित्सको द्वारा मरीजों को जांच किया गया।

जिसमें अधिक संख्या में मरीजो ने स्वास्थ्य जांच और इलाज का लाभ उठाया मरीजों को मुफ्त में दवाइयां भी दी गई । गांव के बच्चे बुजुर्ग महिलाओं और युवा बड़ी संख्या में पहुंचे पहले रजिस्ट्रेशन कराने के बाद सभी ने संबंधित डॉक्टर द्वारा निशुल्क परामर्श प्राप्त की । इस मौके पर नेशनल मानवाधिकार चेतना संगठन के प्रदेश महासचिव सुभाष तिवारी ने कहा कि समय समय पर इस तरह के कैम्प लोगों को सुविधाओं के लिए लगाए जाते हैं।

इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में लोगों को संबोधित करते हुए नेशनल मानवाधिकार संगठन के भटहट ब्लाक जनरल सेक्रेटरी बुध्दिसागर तिवारी ने कहा कि शिविर में लोगों को न केवल इलाज किया गया बल्कि स्वास्थ्य संबंधित जानकारी भी दिया गया।

इसी क्रम में समाजसेवी एवं इस क्षेत्र के युवाओं के दिलों चहेता रामकृष्ण यादव उर्फ बड़े भैया ने कहा कि इस तरह के शिविर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं । इस कार्यक्रम में नेशनल मानवाधिकार चेतना संगठन, महाराजगंज जिला प्रभारी शैलेष मिश्रा ,भटहट ब्लॉक अध्यक्ष विद्या भूषण तिवारी ,भटहट ब्लॉक उपाध्यक्ष राज कपूर चौधरी , ब्लॉक संगठन मंत्री गोरख यादव , चंद्रेश यादव बरगदही, राजू यादव , ग्राम प्रधान योगेंद्र तिवारी सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पैन्टून पुल के लिए वजीरपुर घाट पर चल रहा धरना समाप्त

आदेश की कॉपी देते हुए नायब तहसीलदार ने पिलाया जूश, 39 लाख से बनेगा पुल

शकुन टाइम्स संवाददाता

जलालाबाद-शाहजहाँपुर। विकास खंड जलालाबाद की ग्राम पंचायत वजीरपुर के वजीरपुर घाट स्थित रामगंगा नदी पर पैन्टून पुल बनाए जाने को लेकर गत पांच दिसंबर से चल रहा धरना प्रदर्शन आज समाप्त हो गया है। प्रदर्शनकारियों में हर्ष है। धरने के नेतृत्व कर्ता रामवीर सिंह सोमवंशी ने इसे बड़ी जीत बताया है उनकी मांग थी कि जब तक लिखित आदेश की कापी उनको नहीं दी जाएगी वह धरना समाप्त नहीं करेंगे आज नायब तहसीलदार सत्येंद्र कटियार ने रामवीर सिंह को आदेश की कापी सौंपी और उनको जूस पिलाकर धरना समाप्त करा दिया।

लगभग 3 सप्ताह से अधिक समय तक चले इस धरना प्रदर्शन में हजारों ग्राम वासियों ने अपने जरूरी

काम छोड़कर धरना-प्रदर्शन में भाग लिया। पूर्व विधायक राजेश यादव, पूर्व विधायक एवं आंवला के सांसद नीरज कुशवाहा मौर्य, सदस्य जिला पंचायत रामदास राठौर, समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष तनवीर खान एवं गठबंधन के एवं कांग्रेस पार्टी के अतीत कुमार बागी ने धरना प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों का हौसला बढ़ाया था। इसमें कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भरपूर हिस्सा लिया था। हालांकि इस बीच तहसील प्रशासन ने कई बार धरना समाप्त करने के लिए दबाव बनाया लेकिन प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वह लड़ाई आर पार की लड़ेंगे धरना तब तक समाप्त नहीं किया जाएगा जब तक प्रशासन उनको लिखित पत्र की कापी हाथ में नहीं देगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 39 लाख रुपए अधिक की धनराशि से पैन्टून पुल बनकर तैयार किया जाएगा और शीघ्र जनता के हवाले होगा। मुख्य अभियंता बरेली क्षेत्र लोक निर्माण विभाग के अजय कुमार, अधीक्षण अभियंता प्रकाश चंद्र, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण शाहजहांपुर रथीन सिन्हा व सहायक अभियंता डीसी मुकेश द्वारा हस्ताक्षर शुदा पत्र नेतृत्व कर्ता रामवीर सिंह सोमवंशी को सौंपा गया मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार सत्येंद्र कटियार व थाना अध्यक्ष अल्हागंज ओम प्रकाश आदि भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

यात्रियों को सुरक्षित करने का दिया गया प्रशिक्षण

श्रावस्ती। आगामी महाकुंभ मेले में किसी भी प्रकार की घटना के दौरान यात्रियों को सुरक्षा प्रदान के लिए अभ्यास कराया गया। अभ्यास के दौरान भगदड़ जैसे हालात से निपटने के तरीके बताए गए। साथ ही अन्य प्रकार से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने आदि की जानकारी प्रदान की गई। प्रयागराज में आगामी 13 जनवरी से महाकुंभ मेला शुरू हो रहा है। श्रावस्ती से मेले के लिए प्रस्थान करने वाले यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शुक्रवार को बस स्टैण्ड भिनगा पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस कर्मियों को अभ्यास कराया गया। इस दौरान पुलिस विभाग ने संभावित भगदड़ या अन्य आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए वहां उपस्थित नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पूर्वाभ्यास किया। स्वास्थ्य विभाग ने अस्थायी रैन बसेरा स्थापित किया, जिसमें हेल्पडेस्क, एम्बुलेंस और पैरामेडिकल टीम की तैनाती की गई। अभ्यास के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जा सके। अग्निशमन विभाग ने कुंभ में जाने वाली बसों में यात्रियों की ओर से गैस सिलेंडर जैसे प्रतिबंधित वस्तुओं के संभावित परिवहन को ध्यान में रखते हुए आगजनी, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का पूर्वाभ्यास किया।

लालपुर-पांडेयपुर पुलिस को मिली कामयाबी

तीन नफ़र वांछित शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से चोरी के सफेद व पीली धातु के आभूषण व मोबाइल फोन बरामद

- मैरिज लॉन में हुई चोरी की घटना का वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने किया पर्दाफाश
- चोरी गए आभूषण देख पीड़ित के खिले चेहरे, वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की पीड़ित ने की प्रशंसा
- गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को डीसीपी वरुणा जोन द्वारा 25000 के नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की भी दी गई जानकारी

बजरंग बली तिवारी (क्राइम हेड, उत्तर प्रदेश)

शकुन टाइम्स

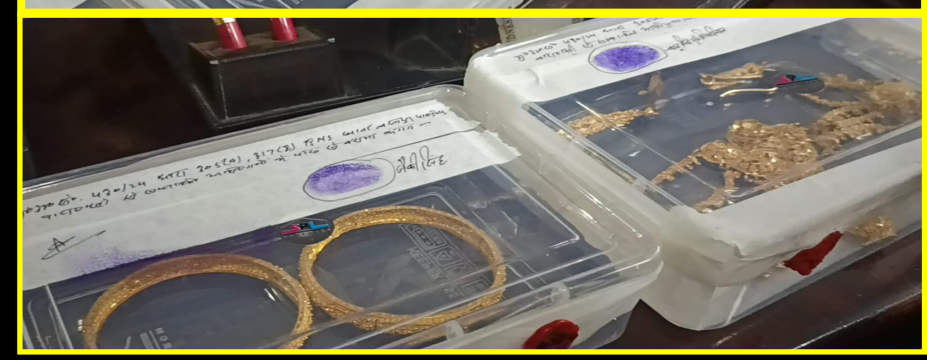

वाराणसी। थाना लालपुर - पांडेयपुर क्षेत्र अंतर्गत मैरिज लॉन में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के पास से चोरी के सोने और चांदी के आभूषण, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख रुपये है व इनके पास से चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, बीते 10 दिसंबर को एक मैरिज लॉन में आयोजित शादी समारोह के दौरान मंडप हाल से एक ट्रॉली बैग चोरी होने की शिकायत लालपुर - पांडेयपुर थाने में दर्ज कराई गई थी। बैग में सोने-चांदी के आभूषण व अन्य कीमती सामान भी रखा हुआ था। पीड़ित ने इस संबंध में थाना लालपुर - पांडेयपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी।जांच में पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और मुखबिर की सहायता ली। पुलिस टीम ने शुक्रवार को गोईठहाँ रिंग रोड के पास से तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में इन तीनों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि वे शादी और अन्य सामाजिक आयोजनों में शामिल होकर मौका देखकर कीमती सामान व सोने-चांदी के आभूषण चुरा लेते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले तीन व्यक्तियों के रूप में हुई है। इनमें जैकी सिंह (27 वर्ष), कालू सिंह (19 वर्ष), और कालू सिंह सिसोदिया (50 वर्ष) के रूप में हुई। इनका पहले से भी कई आपराधिक इतिहास भी है।जैकी सिंह पूर्व में भी चोरी के मामलों में शामिल रहा है, कालू सिंह कई मामलों में वांछित और कालू सिंह सिसोदिया चोरी और नकबजनी के मामलों में संलिप्त था। इनके खिलाफ पहले से कई मुकदमे भी दर्ज हैं। पुलिस ने इन अभियुक्तों को उस समय पकड़ा, जब वे चोरी के आभूषण बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे।पूछताछ में उन्होंने बताया कि चोरी के बाद उन्होंने ट्रॉली बैग को खोलकर उसमें से आभूषण निकाल लिए और बैग व कपड़े झाड़ियों में फेंक दिए। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से भारी मात्रा में चोरी का माल बरामद किया गया। इनमें सोने के आभूषण (दो कंगन, एक हार, एक मांग टीका, एक मंगलसूत्र, दो झुमके, दो अंगूठियां, दो हाथ के पंजे), चांदी के आभूषण (दो पायल,छह मीना) और मोबाइल फोन (चार मोबाइल फोन, जिनमें नोकिया, एमटीआर और सैमसंग के मॉडल शामिल हैं) भी बरामद किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे अनजानी शादी और सामाजिक समारोहों में बिना निमंत्रण के शामिल होते थे व वहा खाने-पीने के बहाने वे समारोह में आए लोगों का सामान चुराने का मौका तलाशते रहते थे। चोरी के आभूषण को बेचने के लिए वे राहगीरों से झूठ बोलते थे कि यह उनके परिवार का गहना है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने व आभूषण बरामद करने वाली टीम में थाना लालपुर - पांडेयपुर की पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में थानाध्यक्ष विवेक कुमार पाठक, उपनिरीक्षक अभिजीत सिंह, विद्यासागर, अम्बरीश दूबे, कांस्टेबल मनीष कुमार तिवारी, रामप्रकाश सिंह, दिलीप कुमार और सर्विलांस सेल के हेड कांस्टेबल दिवाकर वत्स, कांस्टेबल सचिन मिश्रा शामिल थे। वही गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को डीसीपी वरुणा जोन द्वारा 25000 का नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की भी जानकारी दी गई।

संक्षिप्त सामाचार

काशी में आयोजित हो रहा है रोमांचकारी दिव्यांग क्रिकेट मैच

वाराणसी। सुशासन माह के अवसर पर अटल अजीत मेमोरियल ट्रॉफी टी-20 नेशनल दिव्याँग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 29 - 30 दिसंबर 2024 को उत्तर प्रदेश, वेस्ट बंगाल एवं बिहार के दिव्यांग क्रिकेट टीमों के बीच जयनारायण इंटर कॉलेज, वाराणसी के मैदान पर खेला जाएगा। विदित हो कि उत्तर प्रदेश दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण व स्वालंबन के लिए काशी की धरती पर हर वर्ष अटल अजीत मेमोरीयल ट्रॉफी का आयोजन किया जाता है। उत्तर प्रदेश दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ संजय चौरसिया ने कहा कि इस ञ्20 नेशनल दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता के माध्यम से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान पद्मश्री अजीत वाडेकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि दिए जाने के साथ ही साथ दिव्यांगजनों को प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान किया जाएगा। ऑल इंडिया दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिव्यांग बंधु डॉ उत्तम ओझा ने बताया कि यह आयोजन पूरी तरह से समाज के सहयोग से आयोजित किया जाना है काशी की अनेक संस्थाएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता इस आयोजन को सफल बनाने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

तत्काल टिकट के साथ दो दलाल गिरफ्तार

वाराणसी। कैंट स्टेशन स्थित आरक्षण केंद्र पर शुक्रवार को तत्काल टिकट के साथ दो दलालों को आरपीएफ ने पकड़ लिया। मौके से स्लीपर श्रेणी का एक काउंटर टिकट बरामद हुआ है। जबकि, मोबाइल फोन से तीन ई - टिकट का ब्योरा भी प्राप्त हुआ है। जिसे अनधिकृत तरीके से बुक किया गया था। आरपीएफ की टीम ने लालपुर निवासी प्रदीप कुमार और वरुणा पुल चौराहा क्षेत्र के सुधीर कुमार श्रीवास्तव को पकड़ लिया।

RNI : UPHIN/2012/45286
शकुन टाइम्स
निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज
info.shakuntimes@gmail.com www.shakuntimes.com shakuntimes
देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्र में पत्रकार बनकर मान सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर
देश एवं प्रदेश के सभी जिलों में अनुभवी व गैर अनुभवी राज्य प्रभारी, जिला प्रभारी, तहसील प्रभारी एवं ब्लॉक स्तर पर संवाददाता एवं प्रसार प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।
हमशे जुड़ने के लिए सम्पर्क करें
शीघ्र सम्पर्क करें : 9935781155, 9506320127

सुशासन दिवस पर डॉ शिवानी मौर्य का हुआ सम्मान

कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

शकुन टाइम्स संवाददाता

खेतासराय /जौनपुर। सुशासन दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शाहगंज ब्लाक से प्राथमिक विद्यालय गोरारी की प्रधानाध्यापक डॉ शिवानी मौर्य को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बुधवार को सुशासन दिवस मनाया गया। उनकी स्मृतियों को पुनर्जीवित करते हुए उन्हें नमन किया गया। कलक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु रहे। लखनऊ में आयोजित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को लोगों ने देखा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विचारों को सुना। डॉ शिवानी मौर्य ने बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल, खंड शिक्षा अधिकारी बसंत शुक्ला के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इसी प्रकार विभाग की ओर से शैक्षिक नवाचार करने के लिए प्रेरणा मिलती रही तो यह विद्यालय आगे चलकर प्रदेश में नाम रोशन करेगा। प्राथमिक विद्यालय गोरारी की प्रधानाध्यापक डॉ शिवानी मौर्य को इसके पूर्व में भी कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। इसी विकास खंड से सम्मानित होने वाले अन्य शिक्षकों में अशोक सोनकर, अखिलेश मिश्र, खुशबू यादव, ज्योति श्रीवास्तव, उमा प्रजापति, मनोज यादव, आशीष सिंह, ओमप्रकाश यादव शामिल हैं।
बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से चित्रकला, निबंध, वाद-विवाद एवं शारीरिक शिक्षा में प्रथम आने वाले विद्यालयों के शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आर्यावर्त इंफ्रासिटी की बैठक वाराणसी में हुई संपन्न

वाराणसी। आर्यावर्त इंफ्रा सिटी की बैठक वाराणसी के गंगा कावेरी होटल सारनाथ में सकुशल संपन्न हुई आपको बताते चलें कि चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर मोनू यादव ने यह बताया कि आर्यावर्त इंफ्रासिटी लीडर्स मीटिंग माध्यम से लोगों को किस तरह से ग्राहक को बेचना है। कंपनी के प्रति किस प्रकार से विश्वास दिलाना है सारी चीजों पर चर्चा की गई। और लीडरों को ग्राहक को किस तरह से आकर्षित करना है निष्ठा,ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए अपना भी विकास करें और आर्यावर्त इंफ्रा सिटी का भी विकास करें जिसे आने वाले दिनों में हर जगह आर्यावर्त इंफ्रासिटी ही दिखाई दे। इस अवसर पर अंजू मिश्रा, लक्ष्मी देवी,मनोहर निषाद, अजीत कुमार विश्वकर्मा, प्रेमलाल गौतम,अनीता निषाद, मनोज कुमार विश्वकर्मा,रितेश निषाद,सतीश कुमार नागवंशी, प्रभाकर वर्मा,विजय गौतम, डॉक्टर मंगला मौर्य,गोविंद कुमार, प्रदीप वर्मा,विपिन कुमार ,डॉक्टर संतोष कुमार, सेवालाल निषाद, आनंद सत्यार्थी,प्रमोद नागर, नीरज सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

दो दिवसीय खेलउत्सव का हुआ समापन

बच्चे ही होते हैं देश के भविष्य: रेखा सिंह

शकुन टाइम्स संवाददाता

सुजानगंज /जौनपुर। क्षेत्र के एपेक्स एकेडमी नगौली में चल रहे दो दिवसीय खेलउत्सव मे स्कूल के छात्र छात्राओं ने भाग लिया दौड़, टेनिस, क्रिकेट, लंबी कूद, फुटबॉल आदि का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया.

खेल उत्सव में भाग लेने वाली टीमें वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता में येलो हाउस ने ब्लू हाउस को हराकर जीत हासिल किया और रस्साकशी खेल में रेड हॉउस ने ब्लू हाउस को हराया वहीं पर हाई जंप मे भी येलो हाउस का दबदबा कायम रहा क्रिकेट में रेड हॉउस ने जीत हासिल कर अपना परचम लहराया.

खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है और आज के युग में खेल अति आवश्यक है बच्चे ही हमारे देश के भविष्य होते हैं यह विद्यालय परिवार लगातार ऐसे आयोजनों को आयोजित करके बच्चों को उत्साहित करने का कार्य कर रहा है हम हर सम्भव विद्यालय को और मजबूत बनाने के लिए मदद करेंगे उक्त बाते बतौर मुख्य अतिथि रेखा सिंह जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा कांग्रेस कमेटी ने कही. वहीं पर विद्यालय के प्रबंधक विवेक मौर्य ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सभी अध्यापकों ने कड़ी मेहनत से इस खेलउत्सव को सफल बनाने में कई दिनों से मेहनत कर रहे हैं और शिक्षण कार्य को न बाधित करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं। इस अवसर पर ज्योति मौर्या, दीपक यादव,विकास,अमित यादव, प्रदीप मौर्य,कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित शुक्ला ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

जन्म प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया को किया जाएगा सरल : जिलाधिकारी

समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी से मिला प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल

शकुन टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में गुरुवार की देर शाम शिक्षकों का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र सिंह से मुलाकात कर उन्हें शिक्षको के समस्याओं से अवगत कराया साथ ही जनपद के परिषदीय विद्यालय के बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र बनवाने में उनके अभिभावकों को जो अत्यंत ही कठिनाई का सामना कर करना पड़ रहा है उसके बारे में भी जिलाधिकारी को अवगत कराया। बताया कि आफिसों का चक्कर लगाने के साथ ही उनका आर्थिक शोषण भी किया जा रहा है और जन्म प्रमाण पत्र समय से उपलब्ध न होने के कारण आधार नहीं बन पा रहा है और आधार न बनने के कारण परिषदीय विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों का डीबीटी समय से नहीं हो पा रहा है।

अमित सिंह ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि परिषदीय विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के डीबीटी के लिए विभाग द्वारा आधार आवश्यक कर दिया गया है और आधार बनवाने के लिए बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र आवश्यक होता है। आधार बनवाने के लिए पहले विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा सत्यापित जन्मतिथि पर ही आधार बन जाता था जिससे अभिभावकों को इसके लिए दौड़ भाग नहीं करना पड़ता था लेकिन अब ब्लाक/स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र को आवश्यक कर दिया गया है इसके लिए अभिभावकों को ब्लाक का चक्कर काटना पड़ता है और समय से जन्मप्रमाण पत्र नहीं मिल पाता जिसके आभाव में डीबीटी से बच्चे वंचित रह जाते हैं। जिलाधिकारी ने उक्त विषय की गंभीरता को देखते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व संगठन से परिषदीय विद्यालयों के जिन बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र नही बना है उनका 30 दिसम्बर तक उन बच्चों की सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा तथा इस संदर्भ में उन्होंने आगामी दो जनवरी को समस्त खंड विकास अधिकारियों के साथ बैठक आहूत किया है जिससे परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र सुगमता से उनके अभिभावकों को उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में जिला संयुक्त मंत्री शैलेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह टोनी, संतोष सिंह बघेल व देवेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

निष्ठा मैरिज लॉन मे हुई चोरी की घटना से सम्बंधित 3 वांछित शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से चोरी के आभूषण व मोबाईल फोन बरामद

वाराणसी। सहायक पुलिस आयुक्त कैंट के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य व मुखबिर की सहायता से थाना लालपुर पाण्डेयपुर पुलिस टीम ने निष्ठा लॉन चोरी के मुकदमे से संबंधित वांछित 3 शातिर अभियुक्त जैकी सिंह पुत्र नन्दन सिंह निवासी-गुलखेड़ी थाना बोड़ा जिला राजगढ़ मध्य प्रदेश,कालू सिंह पुत्र भगत सिंह निवासी-ग्राम कड़िया थाना बोड़ा जिला राजगढ़ म0प्र0 व कालू सिंह पुत्र मिश्रीलाल निवासी-गुलखेड़ी थाना बोड़ा जिला राजगढ़ मध्य प्रदेश को गोईठहाँ रिंग रोड के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी के आभूषण व 4 मोबाईल फोन को बरामद कर पूछताछ किया गया तो तीनों अभियुक्तों ने बताया कि हम तीनों लोग अनजानी शादी समारोह व अन्य सामाजिक प्रयोजन में जो मैरेज लॉन में हो रहे होते हैं उनमे जाकर खाना-पीना खाकर मौका देखकर समारोह में आये हुये व्यक्तियों का सामान चुरा लेते हैं। हम तीनों के पास सामान बरामद हुआ है इस सामान को हम लोगों ने निष्ठा मैरेज हाल से कुछ दिन पहले एक ट्राली बैग की चोरी कर लिया था।

बोस फाउंडेशन ने जनशताब्दी पर अटल जी को नमन कर दी श्रद्धांजलि

सासाराम/रोहतास। नेताजी सुभाष चंद्र बोस फाउंडेशन के तत्वाधान में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्मशताब्दी के अवसर पर उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर लोगों ने उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अटल जी स्वतंत्र भारत को सींचने वाले जननायक थे। 1998 में हुए पीएम बनते ही उन्होंने पोखरण में परमाणु परीक्षण करवा कर भारत के परमाणु शक्ति को बढ़ाया और लाहौर बस यात्रा कर पहुंचे। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच शांति और भाईचारे का संदेश दिया। अटल जी का जीवन प्रेरणादायक है वे सदैव याद किए जाएंगे। मौके पर अशोक कुमार, राम दर्श सिंह, गोविंद पांडेय, सत्यनारायण स्वामी, कोमल पासवान, दिनेश मेहता सहित कई बुद्धिजीवी एवं गणमान्य मौजूद रहे।

कोटेदार बेवजह राशनकार्ड धारकों को न करे परेशान, अन्यथा होगी कठोर कार्रवाई- जिलाधिकारी

- जनपद में सभी राशनकार्ड धारकों की ई-केवाईसी जरूरी - डीएम
- निःशुल्क राशन वितरण में कोई कोटेदार न करें मनमानी ढंग से करे कार्य - डीएम

शकुन टाइम्स संवाददाता

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत जनपद स्तर पर गठित सतर्कता समिति की समीक्षा बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। जिसमें उन्होंने निर्देशित किया कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक उचित दर दुकान पर प्रत्येक माह नोडल अधिकारियों की ड्यूटी में प्रत्येक लाभार्थी को मिलने वाली आवश्यक वस्तुएँ सुविधाजनक रूप से प्राप्त हो। *जनपद में राशन कार्ड आधार सीडिंग की स्थिति अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के मुखिया और उनके परिवार सदस्यो का शत-प्रतिशत आधार सीडिंग कराया जाना।

वर्तमान में अन्त्योदय कार्ड 52495 यूनिट 175003 के सापेक्ष 174929 यूनिट व पात्र गृहस्थी कार्ड 295742 यूनिट 1289390 के सापेक्ष 1289361 यूनिट पर सीडिंग हो गया है। इस प्रकार कुल 1464393 यूनिट के सापेक्ष 1464290 यूनिट का सीडिंग करा दिया गया है, जो 99.99 प्रतिशत है। जिला शिकायत निवारण अधिकारी के यहां खाद्यान्न प्राप्त न होने पर करें शिकायत जनपद में जिला शिकायत निवारण अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), चन्दौली नामित है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 में प्रत्येक लाभार्थी को खाद्यान्न उपलब्ध कराने की गारंटी दी गयी है।

उक्त योजना के अन्तर्गत चयनित लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्त न होने पर शिकायत कर सकता है। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मृतक कार्डधारकों का नाम काट कर सत्यापन कर उनके स्थान पर पात्रों का राशनकार्ड बनाया जाए। इसके साथ ही किसी भी स्तर पर खाद्यान्न वितरण में घटतौली नहीं होने का निर्देश दिया। कहा कि अधिकारी समय-समय पर कोटे की दुकानों का निरीक्षण अवश्य करें। स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से अंत्योदय राशनकार्ड धारकों का आयुष्मान कार्ड जारी कराने व 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड जारी कराने व रिक्त एवं निरस्त दुकानों के चयन प्रक्रिया को पूर्ण कराए जाने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा सिंगल स्टेज व्यवस्था के तहत जनपद के शत-प्रतिशत उचित दर विक्रेताओं को उनके चौहद्दी पर खाद्यान्न पहुंचाने के लिए छोटे वाहनों का उपयोग किए जाने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला समाज कल्याण, जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी, समस्त पूर्ति निरीक्षक सहित कोटेदार मौजूद थे।

कैंप लगाकर बनाया गया लोगों का आयुष्मान कार्ड

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियाँ/चंदौली। क्षेत्र के सलेमपुर रानेपुर सिवान गांव में जनता सेवा सदन हास्पिटल के कर्मी विपिन कुमार व धर्मेंद्र पाल द्वारा 14 लोगो का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। हास्पिटल द्वारा लगातार गांवो में कैम्प लगाकर सरकार की योजनाओं धरातल पर उतारकर उसको पूर्ण किया जा रहा है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत भारत सरकार के आदेश अनुसार 70 वर्ष या उससे अधिक के सभी लाभार्थियों को वय वंदन योजना से आच्छादित कर दिया गया है।

उक्त योजना के सभी लाभार्थियों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा जिसके अंतर्गत 5 लाख तक के निशुल्क इलाज की सुविधा आबद्ध राजकीय एवं निजी चिकित्सालय में उपलब्ध है। जिसमे गांव के प्रधान प्रतिनिधि सतीश कुमार गुप्ता के माध्यम से प्रेम,कौलसी देवी,राजेन्द्र राय,लाली, तेतरा देवी,शिव चन्द्र, संगीता देवी सहित चौदह लोगो का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इस बाबत जनता सेवा सदन हास्पिटल मथेला चहनिया के प्रबंधक डा0 अमरेश्वरदास कुशवाहा ने बताया कि कैंप लगाकर 70 वर्ष व उससे से अधिक उम्र के लोगों का प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इसी के साथ वहां उपस्थित लोगों को आयुष्मान कार्ड से जुड़ा लाभ के बारे में भी बताया गया एवं अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सीय सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

संक्षिप्त सामाचार

पूर्व प्रधान मंत्री के निधन पर जताया शोक

चहनियाँ/चंदौली। चहनियां कस्बा में खंड विकास कार्यालय परिसर में ज्वाइंट विडियो ओम प्रकाश अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री डा,मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सम्बेदना ब्यक्त किया गया। दो मिनट का मौन रखकर शांति की कामना किया।इस दौरान सहायक विकास अधिकारी राकेश दीक्षित ने बताया कि वर्ष 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में देश का कार्य किये। लंबी बीमारी के बाद 92 वर्ष की अवस्था में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में उनका निधन हो गया। देश के आर्थिक सुधारो के जनक कहे जाने वाले विश्व के सर्वश्रेष्ठ अर्थशास्त्री रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के गवर्नर के पद पर कार्य करते हुए कार्य संभाला। आज हमारा देश निश्चित तौर पर प्रगति कर रहा है।

इस दौरान एडीयो पंचायत अधिकारी राकेश दीक्षित, एडीओ आई एस बी नित्यानंद सिंह, बीओपीआरडी अनिष सिंह, लेखाकार अर्चना वर्मा, जितेंद्र प्रसाद, मनोज श्रीवास्तव, कंप्यूटर ऑपरेटर विजय यादव, सर्वजीत गौतम, कृष्णा गुप्ता, पंचायत सहायक अजय कुमार गुप्ता, पवन शर्मा,राम अवतार, गुलाब राम, बाल मुकुंद, लोकनाथ व समस्त स्टाफ व कर्मचारी मौजूद रहे।

तीन वर्ष से नहीं हो रही ग्राम पंचायत की बैठक

धानापुर। विकास खंड क्षेत्र के अधिकांश गांवों में पिछले तीन वर्षों से ग्राम पंचायतों की कोई बैठक नहीं हो रही है। यहां तक कि खुली बैठकों की कौन कहे, ग्राम पंचायत सदस्यों से गठित कार्यकारणी की भी कोई बैठक नहीं हो रही है। जिसे लेकर ग्राम पंचायत सदस्यों में गहरा आक्रोश है। विकास खंड क्षेत्र के अधिकांश गांव ऐसे हैं जहां ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी की मनमानी चरम पर है। बिना किसी प्रस्ताव के अपने चहेतों के काम कराए जा रहे हैं। आम जनता के कार्यो की खुलेआम उपेक्षा की जा रही है। ग्राम पंचायत सदस्यों का कहना है कि शासन का स्पष्ट दिशा निर्देश है कि प्रत्येक माह ग्राम पंचायत की बैठक कराई जाए।

प्रत्येक तीन माह पर खुली बैठके भी हों। बैठकों में शामिल होने वाले प्रत्येक सदस्य को हर बैठक का 100 रुपये भत्ता देने का प्राविधान है। लेकिन किसी भी गांव में किसी भी सदस्य को फूटी कौड़ी भी भत्ता के रूप में नहीं दिया गया है। ग्राम सभा हिंगुतरगढ़, रामपुर दीयां, किशुनपूरा, बुद्धपुर, प्रसहटा, करी, गजेंद्रपुर आदि गांव के ग्राम पंचायत सदस्यों ने बीडीओ सहित ब्लॉक प्रमुख से नियमित बैठक कराने एवं प्रधानों के फर्जीवाड़े पर रोक लगाने की मांग किया है।

जिले की टीम को 35 वीं बिहार राज्य क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में उप विजेता बनने पर दी बधाई

सासाराम/रोहतास। बिहार एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में 26 दिसंबर बुधवार को लई, बिहटा, पटना में संपन्न 35 वीं बिहार राज्य क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में रोहतास जिले के धावकों की टीम ने प्रतियोगिता का ओवरआल उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया है साथ ही पुरुष वर्ग में भी रोहतास की टीम चैंपियन रही। इस बात की जानकारी देते हुए रोहतास जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव विनय कृष्णा ने बताया कि रोहतास के टीम के धावकों ने बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसके आधार पर रोहतास की टीम को ओवरऑल उप विजेता बनने का गौरव प्राप्त हुआ। रोहतास की टीम ने प्रतियोगिता में कुल 103 अंक बटोर कर उप विजेता बनी। पुरुष वर्ग में 10 किलोमीटर दौड़ की स्पर्धा में डेहरी के प्रिंस राज मिश्रा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। साथ ही उनके टीम के सदस्यों में महेंद्र कुमार, शशिकांत कुमार तथा अमित कुमार ने भी अच्छे अंक बटोरे। वहीं बालिका अंडर 18 आयु वर्ग में 4 किलोमीटर दौड़ में डेहरी की ही काजल कुमारी ने भी स्वर्ण पदक प्राप्त कर अच्छे अंक बटोरे। टीम के उन सदस्यों में अरबाज अंसारी रितिक रोशन कुमार साजन कुमार शिखा कुमारी आदि ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम के चैंपियन होने पर रोहतास जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई दी है और उन्होंने कहा की रोहतास जिले के लिए के गर्व की बात है जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर रोहतास जिला हैंडबॉल संग के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार राय, रोहतास जिला एथलेटिक संघ के उपाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, प्रेमियों ने बधाई दी है।

RNI : UPHIN/2012/45286
शकुन टाइम्स
निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज
info.shakuntimes@gmail.com www.shakuntimes.com shakuntimes
आत्मनिर्भर भारत
बनें अपने शहर, अपने क्षेत्र की आवाज
उठाएं आमजन की समस्याएं, बेनकाब करें भ्रष्टाचारियों को
विकास के मुद्दो में दे अपना योगदान और करें
आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार
आपकों अवसर देता है मीडिया क्षेत्र में करियर बनाने का
रिपोर्टर्स की आवश्यकता है
सम्पर्क सूत्र
9935781155, 9506320127

विद्युत चेकिंग में 11 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शकुन टाइम्स संवाददाता

गाजीपुर। विद्युत विभाग की सघन चेकिंग में शुक्रवार को सुबह मुहम्मदाबाद के नवापुरा और यूसुफपुर गंज मोहल्ले में अभियान चलाकर विद्युत चेकिंग की गई। इस दौरान 11 लोगों के खिलाफ विद्युत चोरी अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया। विद्युत चेकिंग की सूचना मिलते ही पूरे मोहल्ले में हड़कंप मच गया और चोरी से विद्युत उपभोग करने वाले लोग काफी बेचैन देखे गए। उपखंड अधिकारी अमित कुमार राय ने बताया कि विद्युत चेकिंग में 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है 20 लोगों के कनेक्शन विच्छेद किया गया है इस दौरान अत्यधिक बकाया होने पर 12 लोगों के मीटर को भी उखाड़ गया है। विद्युत विभाग और पुलिस बल की मौजूदगी में 60 से अधिक कनेक्शन को चेक किया गया। विद्युत चेकिंग टीम में उपखंड अधिकारी अमित कुमार राय और अवर अभियंता विनोद यादव, विद्युत लाइन मैन सुरेश कुमार शामिल रहे।

ग्रामीण अंचल में फुटबाल मैच का आयोजन होना सराहनीय: आशुतोष सिंह

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियां/चंदौली। बाबा कीनाराम स्पोर्टिंग क्लब रामगढ़ के तत्वाधान में चल रहे पंद्रह दिवसीय फुटबॉल मैच प्रतियोगिता के नौवे दिन मुख्य अतिथि माँ खंडवारी देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ0आशुतोष कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि जय प्रकाश गुप्ता फ़ौजी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा फुटबाल को कीक मारकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

फुटबॉल प्रतियोगिता के नौवे दिन का मैच रामगढ़ बनाम नादी के बीच खेला गया। इस खेल के दौरान 40 -40 मिनट का दो पाली मे मैच हुआ दोनों टीमों ने संघर्ष पूर्ण जबरदस्त मुकाबला खेला प्रथम हाफ मे रामगढ़ द्वारा नादी को लगातार दो गोल मारा गया दूसरे हाफ मे एक गोल मार कर रामगढ़ ने 3-0 से जीत दर्ज की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आशुतोष सिंह ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल मे इस तरह से फुटबाल मैच का आयोजन मन को प्रफुल्लित करता है। खेल मे हार व जीत लगा रहता है खिलाड़ियों को मैदान मे खेल भावना प्रदर्शित करना चाहिए, आज के समय में युवा परंपरागत खेलों से दूर होता जा रहा है।

इस प्रकार के खेलों का ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजन होने से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे आने में बेहतर अवसर मिलता है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विशिष्ट अतिथि जय प्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता समित सिंह,दीना नाथ शर्मा ,अजय सिंह पप्पू ,रमेश सिंह फ़ौजी,दीपक साहनी, पप्पू गोंड़, जय सिंह, विनय सिंह आदि समस्त क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

गाजीपुर में इस वर्ष 1013 लोगों की मौत 70 फीसदी लोगों ने सड़क व ट्रेन हादसों में गंवाई जान

शकुन टाइम्स संवाददाता

गाजीपुर। जनपद में सड़क हादसे व ट्रेन की चपेट में आने से असमय मरने वालों की संख्या में इस वर्ष काफी बढ़ोतरी हुआ है इस वर्ष अभी तक यह आंकड़ा हजारों के पार हो गया है जो पिछले वर्ष से अधिक है आंकड़ों पर नजर करें तो इस वर्ष 25 दिसंबर तक 1013 शवों का पोस्टमार्टम हो चुका है।

इसमें करीब 70 फीसदी लोगों की मौत सड़क हादसे और ट्रेन की चपेट में आने से हुई है जबकि बीते पांच वर्ष तक एक वर्ष के पोस्टमार्टम का आंकड़ा 800 से नीचे था लेकिन 2020 से इस आंकड़ों को रफ्तार मिल गई। जिले के वाहनों की सरपट दौड़ने के लिए सड़कों की जाल तो बिछा दिया गया।

लेकिन गति मापक यंत्र नहीं लगाया गया यही नहीं स्टेशनों के एक से दूसरे प्लेटफार्म पर अवगमन करने के लिए जहां ब्रिज बनाए गए वहीं रेलवे क्रॉसिंग की गेट भी बेहतर तरीके से लगाए गए इसके बावजूद लोग रेलवे ट्रैक को पार करने में संकोच नहीं कर रहे हैं कहीं भी जल्दी पहुंचने की हर हबड़ाहट और लापरवाही से हादसा में जान जा रही है पोस्टमार्टम के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो 2015 से लेकर वर्ष 2019 तक शव के पोस्टमार्टम का आंकड़ा 800 से नीचे रहा है जबकि 2020 से 2022 तक 900 से नीचे जबकि 2023 से 980 तो 2024 में 25 दिसंबर तक यह आंकड़ा 1013 पहुंच गया है पोस्टमार्टम प्रभारी डॉक्टर मनीष कुमार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि 25 दिसंबर तक 2013 शव का पोस्टमार्टम हुआ है।इसमें अधिकांश सड़क दुर्घटना और ट्रेन की चपेट से मृत लोग शामिल हैं।

तीन वर्ष से नहीं हो रही ग्राम पंचायत की बैठक

शकुन टाइम्स संवाददाता

- अजीब हाल
- चार वर्ष बीत गए, किसी ग्राम पंचायत सदस्य को नहीं मिला बैठक का भत्ता
- प्रधान सेक्रेटरी के फर्जीवाड़े में संलिप्त रहने के कारण गांव की हालत हो रही खराब

धानापुर/चंदौली। विकास खंड क्षेत्र के अधिकांश गांवों में पिछले तीन वर्षों से ग्राम पंचायतों की कोई बैठक नहीं हो रही है। यहां तक कि खुली बैठकों की कौन कहे, ग्राम पंचायत सदस्यों से गठित कार्यकारणी की भी कोई बैठक नहीं हो रही है। जिसे लेकर ग्राम पंचायत सदस्यों में गहरा आक्रोश है। विकास खंड क्षेत्र के अधिकांश गांव ऐसे हैं जहां ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी की मनमानी चरम पर है। बिना किसी प्रस्ताव के अपने चहेतों के काम कराए जा रहे हैं। आम जनता के कार्यो की खुलेआम उपेक्षा की जा रही है। ग्राम पंचायत सदस्यों का कहना है कि शासन का स्पष्ट दिशा निर्देश है कि प्रत्येक माह ग्राम पंचायत की बैठक कराई जाए। प्रत्येक तीन माह पर खुली बैठके भी हों। बैठकों में शामिल होने वाले प्रत्येक सदस्य को हर बैठक का 100 रुपये भत्ता देने का प्राविधान है। लेकिन किसी भी गांव में किसी भी सदस्य को फूटी कौड़ी भी भत्ता के रूप में नहीं दिया गया है।

मुख्य अभियंता ने कम वसूली पर जताई नाराजगी, बोले सुधार लाए नहीं तो होगी कार्रवाई

शकुन टाइम्स संवाददाता

सकलडीहा। शुक्रवार को मुख्य अभियंता वाराणसी मुकेश कुमार गर्ग ने निरीक्षण कर ओटीएस की प्रगति का समीक्षा किया। इस दौरान उन्होंने बिजली बिल वसूली के कड़े निर्देश दिए। साथ ही बकाएदारों का कनेक्शन काटने और मुकदमा दर्ज कराने का निर्देश दिया। वही मुख्य अभियंता का तेवर देख बिजलीं विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सकते में रहे।

इस समय ओटीएस योजना के तहत बिजलीं बिल जमा करने पर ब्याज में छूट मिल रही है। इसको लेकर गांव-गांव में कैम्प लगाया जा रहा है। इस योजना की प्रगति की जानकारी लेने मुख्य अभियंता पहुचे। जहा उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक किया। जिसमे उन्होंने कम बसूली करने पर सकलडीहा जेई को जमकर फटकार लगाई और कार्रवाई की चेतावनी दिया। उन्होंने कहा कि बड़े बकाएदारों के खिलाफ अभियान चलाए। उनका कनेक्शन काटे इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर मुकदमा भी दर्ज कराए। अगली बार समीक्षा में जिसका टारगेट कम रहेगा। उसके ऊपर कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान एक्सईएन बिपिन कुमार, एसडीओ सतीश कुमार, जेई रबिन्द्र राय,मनीष कन्नौजिया, इंद्रजीत सिंह सहित अन्य बिजलीं अधिकारी और कर्मचारी रहे।

आवारा गोवंशों के कारण किसानो की फसल हो रही बर्बाद, अधिकारी मौन

सकलडीहा। सकलडीहा क्षेत्र में इन दिनों छुट्टा आवारा गोवंश किसानों की फसल को बर्बाद करने का कार्य कर रहे हैं। जब कि इस संबंध में खंड विकास अधिकारी को फोन के माध्यम से तथा मौखिक माध्यम से भी जानकारी उपलब्ध कराई गई। परंतु इन सब के बावजूद भी खंड विकास अधिकारी की लचर कार्यवाही के कारण किसानों की फसल बर्बाद हो रही है। जबकि शासन द्वारा इन गोवंशों के गौशाला पर भेजे जाने की जिम्मेदारी प्रत्येक विकासखंड में खंड विकास अधिकारी को सौंपी गई है। वही उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की फसल दुगनी तथा उनकी आमदनी बढ़ाए जाने को लेकर भी तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। जिसके क्रम में उन्नत बीज, जैविक खाद समय-समय पर खेतों का मृदा परीक्षण के साथ अन्य उपाय किए जा रहे हैं। जिससे किसानों की आमदनी दोगुनी हो सके। वही इन सारी मेहनतों पर यह आवारा पशु पानी फेरने का कार्य कर रहे हैं। जबकि किसानों द्वारा व पत्रकारों द्वारा इन आवारा पशुओं को गौशाला पर भेजे जाने के क्रम में खंड विकास अधिकारी से गुहार भी लगाई गई। वहीं खंड विकास अधिकारी द्वारा संसाधन उपलब्ध नहीं होने की बातें की जा रही है, इस संबंध में सकलडीहा ग्राम सभा से लेकर नागेपुर, इटवा ग्राम सभा के किसानों की जिलाधिकारी से मांग है कि उक्त बातों का संज्ञान लेकर इन आवारा पशुओं को गौशाला पर भेजे जाने कर सुनिश्चित किया जाए। जिससे किसानों के फसल नुकसान होने से बच सके तथा उन्हें फसल उपज में नुकसान का सामना न करना पड़े।

मेंहदी प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनिया/चंदौली। माँ खंडवारी पीजी कॉलेज में 20 दिसंबर 2024 को संपन्न हुई मेंहदी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह शुक्रवार को भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने विजेताओं को अपने हाथों से मेडल, विनिंग पट्टी, प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकुर बरनवाल बी ए प्रथम वर्ष , द्वितीय स्थान प्रिया राय बी ए तृतीय वर्ष,तृतीय स्थान ज्योत्सना मौर्या एम ए थर्ड सेमेस्टर को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही, अमीषा विश्वकर्मा, आँचल यादव, जन्नत बानो, दीक्षा मिश्रा, और चांदनी जायसवाल को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में डॉ. मंजूली सिंह, डॉ. अनामिका पाठक, और शालिनी शर्मा ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में संस्था के निदेशक अवनीश कुमार सिंह और प्राचार्य डॉ. हेमंत कुमार चौरसिया, महिला पी जी कालेज के प्राचार्य डॉ अश्वनी कुमार श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं राजर्षि टंडन विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों के रचनात्मक और सांस्कृतिक विकास को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ राधाकांत पाठक,डॉ विनोद श्रीवास्तव , संतोष सिंह,अवधेश मिश्रा, धनंजय उपाध्याय, अरुण विश्वकर्मा, विनय सिंह, राघवेंद्र मिश्रा, अलोक सिंह आदि के साथ साथ सभी छात्र छात्रा उपस्थित रहे ।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर अखिलेश, मायावती ने जताया दुख

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अखिलेश यादव ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह ऐसे प्रधानमंत्री थे जिन्होंने देश को आर्थिक रूप से मजबूत किया, आज देश में जो बहुत कुछ दिख रहा है, वो पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की वजह से है। उन्होंने आर्थिक नीतियों में जो फैसले लिए, आज उसका नतीजा है कि हम दुनिया में बराबरी पर हैं। वो एक अर्थशास्त्री भी थे, कम बोलते थे लेकिन उस समय उन्होंने जो फैसले लिए, उससे आज पता चलता है कि उन्होंने कितनी सावधानी से वो फैसले लिए... देश के एक अच्छे प्रधानमंत्री के तौर पर उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने के पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का आज रात निधन होने की खबर अति-दुखद। भारत की अर्थव्यवस्था सुधार में उनका खास योगदान रहा। वे नेक इंसान थे। उनके परिवार व सभी चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन के निधन दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी हमारे लिए अभिभावक और मार्गदर्शक थे, जिन पर हमें सदैव गर्व रहेगा। वे देश के करोड़ों लोगों के लिए आदर्श थे। वे सेवा, सादगी और समर्पण की मिसाल थे। आज करोड़ों आंखें नम हैं। भावभीनी श्रद्धांजलि। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितम्बर 1932 गांव गाह, चकवाल जिला, पंजाब, भारत में हुआ था (आज पंजाब, पाकिस्तान) देश बंटवारे के दौरान पूरा कुछ समय बाद उनका परिवार पाकिस्तान से अमृतसर आकर बस गया था मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर 2024 को 92 साल की उम्र में दिल्ली में निधन हुआ ।उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भरत चला आया। यहाँ पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की अन्तर्मुखी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है। डॉ? सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की।

बैंक लॉकर काटने वाला आखिरी लुटेरा गिरफ्तार, 25 हजार का था इनाम

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इंडियन ओवरसीज बैंक के 42 लॉकर काटने वाले सातवें बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यूपी पुलिस ने इस पर भी 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। आरोपी के पास से 1 लाख रुपए नकद, ज्वेलरी और बाइक बरामद हुई है। चिनहट थाना प्रभारी ने बताया, बैंक में चोरी करने वाले मिथुन कुमार बिंद को अपट्रॉन चौराहे के पास नेड़ा मोड़, देवा रोड से पकड़ा गया है। मिथुन मूल रूप से बिहार मुंगेर के पुरुषोत्तमपुर चोरगांव का रहने वाला है। आरोपी के पास से 126.14 ग्राम सोने के जेवर, 893 ग्राम चांदी के जेवर, एक लाख रुपए नकद, बैंक लॉकर के 13 कटे हुए टुकड़े, एक हथौड़ा, लोहे की छीनी, ग्लैन्डर मशीन और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। मिथुन ने पूछताछ में बताया कि वह अपने गिरोह के साथ मटियारी स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक की दीवार तोड़कर अंदर घुसा था। बैंक लॉकर तोड़कर कीमती जेवरात और नकदी चोरी किए थे। बता दें, कुल 7 बदमाशों ने बैंक में चोरी की वारदात की थी। अब तक इस केस में 2 आरोपियों का एनकाउंटर हो चुका है। मास्टरमाइंड विपिन समेत 5 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। बैंक में लॉकर काटने का सीसीटीवी मंगलवार को सामने आया था। बदमाश हुडी पहनकर अंदर घुसे। बार-बार सीसीटीवी की ओर देख रहे थे। फुटेज में तीन बदमाश बैंक के अंदर दिख रहे हैं। एक बदमाश के हाथ में बैग है, जबकि दूसरे के हाथ में रस्सी और मोबाइल दिख रहा है। तीसरा बदमाश लॉकर काटता दिख रहा है। फुटेज रविवार (22 दिसंबर) तड़के 4.36 बजे का है। लॉकर काटने वाले गैंग में कुल 7 आरोपी शामिल थे। दो बदमाशों का 4 घंटे के भीतर पुलिस ने एनकाउंटर किया था। पहला एनकाउंटर लखनऊ में सोमवार रात साढ़े 12 बजे हुआ।

संक्षिप्त सामाचार

एलडीए ने गोमती नगर में अवैध निर्माण पर चलाया बुलडोजर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित विराम खंड में शुक्रवार को एलडीए ने अवैध निर्माण पर कार्रवाई की। यहां अतिक्रमण कर बनाए गए पक्के निर्माण को तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। एलडीए अधिकारियों ने बताया कि विराम खंड में 24 दिसंबर को सीलिंग की कार्रवाई यादव दूध डेयरी पर की गई थी। यहां पर नियमों का उल्लंघन कर अवैध निर्माण किया गया था, जिसके बाद यहां पर अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही भूखंड संख्या 1/122 पर अनुराग, अरविंद और आदित्य त्रिपाठी की तरफसे अवैध निर्माण किया गया है। प्राधिकरण सचिव से शिकायत की गई। नक्शा पास नहीं होने के चलते यहां पर भी ध्वस्तीकरण का आदेश दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि सुबह से ही एलडीए की टीम अधिकारियों और बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंची। इस दौरान अवैध निर्माण के खिलाफकार्रवाई शुरू की। उन्होंने बताया कि पहले टिन शेड को तोड़ा गया। इसके बाद पक्के अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण शुरू हुआ। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार का कहना है कि एलडीए की तरफसे अवैध निर्माण के खिलाफलगातार कार्रवाई की जा रही है।

युवक ट्रेन से कटा, पुलिस शिनाख्त में जुटी

लखनऊ। मलिहाबाद के भुलभुला खेड़ा गांव के पास शुक्रवार दोपहर एक युवक ट्रेन से कट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। वहीं आस-पास के ग्रामीणों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। मगर पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने बताया कि भुलभुला खेड़ा गांव के पास स्थित रेलवे लाइन पर करीब 25 वर्षीय अज्ञात युवक का क्षतविक्षत शव मिला। मृतक ने काले रंग का लोवर और लाल टीशर्ट पहन रखी थी। आस-पास के गावों के लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

आरएलडी की सैकड़ों लोगों ने ली सदस्यता

लखनऊ। भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) द्वारा आयोजित समरसता अभियान के तहत लखनऊ की पश्चिम विधानसभा के राजाजीपुरम में सैकड़ों लोगों ने रालोद की सदस्यता ग्रहण की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश सचिव मयंक त्रिवेदी ने की, जबकि संचालन रालोद नेता सम्राट सिंह चौहान ने किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि रालोद नेता अनिल दुबे और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव विजय श्रीवास्तव मौजूद रहे। इनके साथ ही व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, प्रोफेशनल मंच के अध्यक्ष अम्बुज पटेल, महासचिव रामवती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, आमिर साबरी और विवेक पांडे जैसे प्रमुख नेता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने रालोद राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के नेतृत्व को स्वीकारते हुए पार्टी की सदस्यता ली। इस दौरान नीरज तिवारी सहित अन्य समर्थकों ने पार्टी के उद्देश्यों को सराहा और चौधरी चरण सिंह की विचारधारा पर काम करने का संकल्प लिया। 23 दिसंबर से शुरू हुए इस समरसता अभियान का उद्देश्य विभिन्न वर्गों को साथ लाकर चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को मजबूत करना है।

कानपुर देहात जिला वेटलिफ्टिंग संघ ने पत्रकारों का किया सम्मान

शकुन टाइम्स संवाददाता

कानपुर। नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष पद प्रत्याशी के के द्विवेदी का अभूतपूर्व सम्मान मे कानपुर देहात जिला वेटलिफ्टिंग संघ की बैठक का आयोजन किया गया यह बैठक का आयोजन कानपुर देहात जिला वेटलिफ्टिंग लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष डॉ जे एन कटियार के निवास पर आयोजित की गई मीटिंग में फरवरी माह में जिला वेटलिफ्टिंग लिफ्टिंग चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर चर्चा की गई साथ ही पत्रकारों के सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया सम्मान समारोह के इस अवसर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों पत्रकारों को अंग वस्त्र एवं टीशर्ट देकर सम्मानित किया गया इस मौके पर जिला वेटलिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष जे एन न कटियार और कोषाध्यक्ष प्रदीप कटियार ने पत्रकारों को टीशर्ट और सचिव सुनील कुमार यादव ने अंग वस्त्र पहनाकर उनका सम्मान किया इसके साथ ही नेशनल मीडिया प्रेस क्लब अध्यक्ष पद के प्रत्याशी केके द्विवेदी को जीत की अग्रिम बधाई दी।

युवक ने फांसी लगाई, आंगन के जाल से लटका मिला शव

लखनऊ। बंथरा में शुक्रवार सुबह एक युवक फांसी के फंदे पर लटक गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। खटोला गांव निवासी रामप्रताप रावत का बेटा उमेश (25) सुबह करीब सात बजे आंगन में लगी जाल से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। परिजनों ने जब यह देखा तो चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पिता राम प्रताप ने बताया कि तड़के करीब 4 बजे उमेश अपने कमरे से निकलकर बाहर चला आया था। सुबह करीब 7 बजे घर के लोगों ने देखा तो वह आंगन में लगी जाल से दुपट्टे के सहारे मृत लटका मिला। सूचना पर पहुंची बंथरा थाना पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाया। पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। फिलहाल आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। मृतक उमेश के परिवार में पिता राम प्रताप के अलावा मां लीलावती, बड़ा भाई सुभाष, बहन केतकी, रितु और खुशबू हैं।

एक प्रधानमंत्री जो जीता था साधारण जीवन

डॉ. मनमोहन सिंह के बॉडीगार्ड रह चुके योगी के मंत्री असीम अरुण ने ताजा की यादें

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस के दिग्गज नेता और देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। दिल्ली के एम्स अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। इस दुखद घटना पर पूरे देश में शोक की लहर है। इसी बीच योगी सरकार में मंत्री और पूर्व आईपीएस अधिकारी असीम अरुण ने डॉ मनमोहन सिंह को याद करते हुए उनके साथ बिताए तीन साल के एक किस्से को साझा किया है। असीम अरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मैं 2004 से लगभग तीन साल उनका बॉडी गार्ड रहा। एसपीजी में पीएम की सुरक्षा का सबसे अंदरुनी घेरा होता है-क्लोज प्रोटेक्शन टीम जिसका नेतृत्व करने का अवसर मुझे मिला था। एआईजी सीपीटी वो व्यक्ति है जो पीएम से कभी भी दूर नहीं रह सकता। यदि एक ही बॉडी गार्ड रह सकता है तो साथ यह बंदा होगा। ऐसे में उनके साथ उनकी परछाई की तरह साथ रहने की जिम्मेदारी थी मेरी। अपने पोस्ट में असीम अरुण डॉ. मनमोहन सिंह की सादगी को दर्शाते हुए आगे लिखते हैं, डॉ साहब की अपनी एक ही कार थी - मारुति 800, जो पीएम हाउस में चमचमाती काली बीएमडब्ल्यू के पीछे खड़ी रहती थी। मनमोहन सिंह जी बार-बार मुझे कहते- असीम, मुझे इस कार में चलना पसंद नहीं, मेरी गड्डी तो यह है (मारुति)। मैं समझाता कि सर यह गाड़ी आपके ऐश्वर्य के लिए नहीं है, इसके सिक्योरिटी फीचर्स ऐसे हैं जिसके लिए एसपीजी ने इसे लिया है। लेकिन जब कारकेड मारुति के सामने से निकलता तो वे हमेशा मन भर उसे देखते। जैसे संकल्प दोहरा रहे हो कि मैं मिडिल क्लास व्यक्ति हूं और आम आदमी की चिंता करना मेरा काम है।

आरटीई में चयनित बच्चों की पहली सूची जारी-मिशनरी स्कूलों से दूरी

पात्रों के बजाय अयोग्य उठा रहे है आरटीई योजना का लाभ

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अलाभित व दुर्बल आय वर्ग के बच्चों हेतु शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के अंर्तगत निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिये बेसिक शिक्षा विभाग ने पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली सूची में लाटरी द्वारा चयनित सात हजार से अधिक बच्चों का राजधानी के निजी विद्यालयों में प्रवेश दिया जायेगा। परंतु सूची में मिशनरी द्वारा संचालित स्कूलों के नाम नहीं है।

तर्क यह दिया जाता है कि मिशनरी स्कूल सेवा के लिये चलते है। इन पर आरटीई एक्ट लागू नहीं होता है। ये स्कूल भी आज की तारीख में भारी-भरकम फीस वसूलते है। सीट न होने का बहाना कर के मोटा डोनेशन लेकर प्रवेश देते है। ऊपर से विदेशी फंडिग अलग से आती है। अब तो कोर्ट ने भी स्पष्ट कर दिया है कि इन स्कूलों के संचालकों को टैक्स के दायरे में रखा जायेगा। जारी पहली सूची में ही कई खामियां है जो पहले से ही चली आ रही है। नगर निगम के जिस वार्ड में लाभार्थी का निवास हो उसी वार्ड में स्थित किसी विद्यालय में प्रवेश दिया जाता है। परंतु अभिभावक अपनी मर्जी से किसी अच्छे विद्यालय का नाम का चयन कर लेता है। भले ही वह उसके निवास के वार्ड में स्थित न हो। अभिभावक के पास आलीशान घर है, मंहगी गाड़ियां है पर मात्र अस्सी हजार सालाना की आय दिखाकर बेसिक शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की सहायता से आरटीई की सूची में स्थान पा लेता है। क्योंकि लाभार्थी बच्चों के घर का, उसकी आय के भौतिक सत्यापन की जिम्मेदारी विभाग पूरी नहीं करता है।

लखनऊ नगर निगम वसूलेगा 100 प्रतिशत प्रॉपर्टी टैक्स

नगर आयुक्त ने कहा- 15 जनवरी तक करें कार्रवाई

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर नगर निगम में टैक्स नहीं वसूल पाने वाले अधिकारियों को कार्यमुक्त करने की तैयारी कर ली गई है। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने जोन 3 कार्यालय, कपूर थला में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ में बैठक की। इसी दौरान यह निर्देश दिया गया। नगर निगम के जोन 3 में वित्त वर्ष में 85 करोड़ रुपए टैक्स कलेक्शन का लक्ष्य तय किया था। अधिकारी अभी तक सिर्फ 4 करोड़ 61 लाख 83 हजार 212 रुपए ही टैक्स वसूल पाए हैं। इसी मुद्दे पर नगर आयुक्त ने कर निरीक्षक, कर अधीक्षक, जोनल अधिकारी अमरजीत सहित, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के साथ बैठक की। नगर निगम जोन 3 में कदम रसूल, लाला लाजपत राय, महा कवि जयशंकर प्रसाद, महानगर, मनकामेश्वर वार्ड आते हैं। यहां टैक्स कलेक्शन लक्ष्य की तुलना में कम रहा। इस पर नगर आयुक्त ने मधुरेश कुमार, वीरेंद्र कुमार को चेतावनी दी। आजाद अहमद के अनुपस्थित रहने के कारण और टैक्स मांग पिछले वर्ष की तुलना में कम होने के कारण एडवर्स एंट्री दर्ज की। नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि 31 मार्च तक कोई भी भवन परिवर्तन कर निर्धारण से छूटने न पाए। नगर आयुक्त ने साफ किया कि प्रॉपर्टी टैक्स की 100 फीसदी वसूली 15 जनवरी तक करनी होगी। साथ ही कहा कि किसी भी कर निरीक्षक का 10 भवन, 50 हजार रुपए प्रति वार्ड वसूली और 10 नए कर निर्धारण से कम का आंकड़ा होगा, उनके साथ मीटिंग की जाएगी। जो टैक्स इंस्पेक्टर टारगेट पूरे करेंगे, उन्होंने पुरस्कृत किया जाएगा। जो लोग लापरवाही करेंगे उन्हें कार्य से मुक्त कर दिया जाएगा।

यूपी में 70 से अधिक आईपीएस अफसरों का होगा प्रमोशन

नए साल पर मिलेगा तोहफा

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार नए साल पर आईपीएस अफसरों को तोहफा देने जा रही है। दरअसल, 70 साल से अधिक आईपीएस अफसरों को प्रमोशन मिलेगा। इसे लेकर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में कई नामों पर चर्चा हुई। 1992 बैच के आईपीएस एडीजी से डीजी बनेंगे। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि नए साल पर 70 से अधिक आईपीएस अफसरों को प्रमोट किया जाएगा। डीजी सीबीसीआईडी के पद पर तैनात एसएन साबत के 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें डीजी के पद पर पदोन्नत किया जाएगा। 1992 बैच के आईपीएस एडीजी से डीजी बनेंगे। एडीजी अभियोजन दीपेश जुनेजा डीजी बनेंगे। 8 एडीजी डीजी पद पर प्रमोट हो जाएंगे। यूपी के तीन आईपीएस अफसर आईजी से एडीजी बनेंगे। नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह का भी प्रमोशन होगा। लखनऊ आईजी प्रशांत कुमार और एटीएस चीफ नीलाभजा चौधरी एडीजी बनेंगे। 2007 बैच के आईपीएस अफसर आईजी के पद पर प्रमोट होंगे। डीआईजी अमित पाठक, जोगेंद्र कुमार, विनोद कुमार, रविशंकर छवि, भारती सिंह, राकेश प्रताप सिंह, विपिन कुमार मिश्रा, योगेश कुमार सिंह, गीता सिंह, बाबूराम आईजी बनेंगे। आईपीएस शैलेश पांडेय, अभिषेक सिंह, अजय पाल शर्मा, राजेश एस, आलोक प्रियदर्शी, सुधा सिंह, रामबदन सिंह, तेज स्वरूप सिंह, हृदयेश कुमार, सूर्यकांत त्रिपाठी, हेमंत कुटियाल, शालिनी, प्रदीप कुमार, कमला प्रसाद यादव, अरुण श्रीवास्तव, विकास कुमार, राजेश सक्सेना, अरविंद चतुर्वेदी, सुनीता सिंह, दिनेश सिंह, अरविंद कुमार मौर्य, सुभाष चंद्र शाक्य डीआईजी बनेंगे। वहीं, नए वर्ष पर यूपी के 8 डीजी हो सेवानिवृत्त जाएंगे।

नाला खुदाई के दौरान सीएनजी पाइप लाइन टूटी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर में शुक्रवार को पीएनसी की लापरवाही से नाला खुदाई के दौरान सीएनजी पाइपलाइन टूट गई, जिससे गैस का रिसाव होने लगा। इससे अफरा-तफरी मच गई। आनन फानन में पुलिस और फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से लोगों को दूर हटाया।कानपुर एलिवेटेड रोड निर्माण में लगी पीएनसी कंपनी कर्मचारी दोपहर करीब 12 बजे जेसीबी मशीन से खुदाई कर रहे थे।

गौरी बाजार में हीरालाल यादव डिग्री कॉलेज के पास नाला बनाने के लिए मिट्टी निकाली जा रही थी। जेसीबी से भूमिगत सीएनजी पाइप लाइन टूट गई और उससे गैस का रिसाव होने लगा। पीएनसी कर्मी रिसाव बंद करने में जुट गए। ग्रीन गैस लिमिटेड (जीजीएल) के इंजीनियरों ने क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को ठीक किया। सूचना के बाद जब तक दमकल गाड़ी पहुंची, तब तक रिसाव बंद किया जा चुका था।

वेतन की मांग को लेकर संविदा बिजली कर्मचारियों का हंगामा

वृंदावन पावर हाउस ऑफिस घेरा

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पीजीआई के वृंदावन योजना सेक्टर-5डी स्थित 33/11केवी विद्युत उपकेंद्र पर शुक्रवार को संविदा कर्मियों ने हंगामा किया। उपकेंद्र का घेराव कर नारेबाजी की। संविदाकर्मियों ने कहा दो महीनों से सैलरी नहीं दी गई है। अगर सैलरी नहीं मिली तो काम बंद कर देंगे। सूचना पर अधीक्षण अभियंता ने मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों की समझा बुझाकर उन्हें वापस काम पर भेजा। संविदा कर्मचारी सोनू गौतम और शिव कुमार ने कहा दो माह से हम लोगों को वेतन नहीं मिला। घर चलाना मुश्किल हो गया है। बुजुर्ग माता-पिता की दवाएं खरीदना है। घर का राशन खत्म हो गया है। बच्चों के स्कूल की फीस तक बाकी है। उन्होंने बताया कि पिछले दो महीने से वेतन की मांग को लेकर अधिकारियों के सामने गुहार लगा रहे हैं। मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। केवल आश्वासन मिला था, कि सबको वेतन मिल जाएगा मगर नहीं मिला। अधिशासी अभियंता अमित कुमार ने प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों से बात कर उन्हें जल्द वेतन भुगतान का आश्वासन दिया। इसके साथ ही काम पर वापस भेजा। पॉवर हाउस सेक्टर 9 वृन्दावन योजना के अधिशासी अभियंता अमित आनंद ने बताया कि पिछले महीने वेतन भुगतान प्रक्रिया बदलने से भुगतान में देरी हुई है। दो दिन में भुगतान किया जाएगा।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर यूपी में राजकीय शोक

राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा एवं नही होगा कोई सरकारी मनोरंजन

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता रहे मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को निधन हो गया।92 वर्षीय मनमोहन सिंह 10 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री रहे। मनमोहन सिंह के निधन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने राजकीय शोक घोषित किया है।

इस संबंध में अधिकारियों को आदेश जारी किया है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि संयुक्त सचिव गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या-3ध्2ध्2024-पब्लिक, दिनांक 26-12-2024 द्वारा यह निर्देश दिया गया है कि भारत के पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर 2024 को एम्स अस्पताल, नई दिल्ली में निधन हो गया। दिवंगत गणमान्य व्यक्ति के सम्मान में, यह निर्णय लिया गया है कि 26 दिसंबर 2024 से 01 जनवरी 2025 तक पूरे भारत में सात दिनों का राजकीय शोक मनाया जाएगा, दोनों दिन सम्मिलित हैं।इस अवधि के दौरान पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है और राजकीय शोक की अवधि के दौरान कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगा।इस अवधि में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा एवं कोई सरकारी मनोरंजन नहीं होगा। अपर मुख्य सचिव जितेंद्र कुमार की ओर से जारी हस्ताक्षरित पत्र के जरिए जिलाधिकारियों, मंडलायुक्तों को निर्देश जारी किए गए हैं।त्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मायावती ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। राज्यपाल पटेल ने सिंह के निधन को राजनीति जगत के लिए बड़ी क्षति बताते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। अपने बयान में पटेल ने कहा, श्डॉक्टर मनमोहन सिंह का निधन भारतीय राजनीति के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच श्एक्सश् पर लिखा, श्सत्य के प्रतीक और सौम्य व्यक्तित्व वाले डॉ. मनमोहन सिंह का निधन एक अपूरणीय अंतरराष्ट्रीय क्षति है। महान अर्थशास्त्री और पूर्व प्रधानमंत्री को भावभीनी श्रद्धांजलि। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने भी श्एक्सश् पर कहा, श्पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन की खबर बेहद दुखद है। भारत की आर्थिक प्रगति में उनके उल्लेखनीय योगदान और उनके सदाचारी स्वभाव को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने सोशल मीडिया पर एक मार्मिक पोस्ट के जरिए सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, श्राजनीति में सादगी के प्रतीक डॉक्टर मनमोहन सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया। आर्थिक सुधार, परमाणु समझौता और मनरेगा समेत उनकी दूरदर्शी पहलों ने भारत को समृद्धि की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया। राष्ट्र उनके योगदान का हमेशा ऋणी रहेगा।भावभीनी श्रद्धांजलि।भारत के बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक और राजनीति में शालीनता के प्रतीक माने जाने वाले सिंह अपने पीछे परिवर्तनकारी नीतियों की विरासत छोड़ गए हैं जिसने आधुनिक भारत को आकार दिया।

सम्पादकीय

दूर तलक जायेगा बेलगावी का संदेश

कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित अपने दो दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफलड़ाई तेज करने का निश्चय किया है। अधिवेशन के पहले ही दिन कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऐलान किया है कि हम नेहरू-गांधी की विचारधारा, बाबा साहेब अंबेडकर के सम्मान के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे। इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय कांग्रेस ने लिए हैं। जिसमें संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ चुनाव प्रक्रिया में सुधार लाने, किसानों के हितों की रक्षा करने, भ्रष्टाचार के खिलाफलड़ाई को तेज करने की रणनीति बनाई जाएगी। श्री खड़गे ने कहा है कि 2025 संगठन को मजबूत करने का साल होगा, पार्टी में खाली पदों को भरा जाएगा। उदयपुर घोषणापत्र को पूरी तरह लागू किया जाएगा। पार्टी को चुनाव जीतने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जाएगा। साथ ही वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध लोगों को ढूंढा जाएगा जो संविधान और भारत के विचार की रक्षा करेंगे।खड़गे ने कहा कि केवल कड़ी मेहनत पर्याप्त नहीं, समय पर ठोस रणनीति, सही दिशा, नई शक्ति, नेतृत्व को मौका देने की जरूरत है। हमारे पास गांधी-नेहरू की विरासत है। बेलगाव से नए संकल्प के साथ लौटेंगे, यह भरोसा श्री खड़गे ने जताया। वहीं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी इस अधिवेशन में शामिल नहीं हो पाईं, लेकिन अपने संदेश में उन्होंने कहा कि दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों से महात्मा गांधी की विरासत खतरे में है। जिन संगठनों ने कभी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी, उन्होंने महात्मा गांधी का कटु विरोध किया, विषाक्त वातावरण बनाया जिसके कारण उनकी हत्या कर दी गई। आइए हम व्यक्तिगत रूप से, सामूहिक रूप से, पार्टी के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्परता की नई भावना के साथ संकल्प के साथ आगे बढ़ें। गौरतलब है कि ठीक सौ वर्ष पूर्व इसी स्थल पर कांग्रेस का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अधिवेशन हुआ था जो महात्मा गांधी द्वारा की गयी सदारत का पार्टी का एकमेव अधिवेशन है। जिस प्रकार से उस अधिवेशन में गांधीजी ने आपसी भेदभाव भुलाकर फिरंगियों के खिलाफलड़ाई तेज करने और आजादी हासिल करने तक शांत न बैठने का आह्वान किया था, इस अधिवेशन में भी कांग्रेस ने संकल्प लिया कि जनविरोधी और निरंकुश हो चुकी भाजपा सरकार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाया जायेगा।

इस अधिवेशन के लिये कांग्रेस ने अपना घोष वाक्य जय बापू-जय भीम-जय संविधान निर्धारित किया है, जो अपने आप में यह बतलाने के लिये काफी है कि पार्टी गांधीवादी मूल्यों के साथ संविधान को बचाने के लिये देश में बड़ी लड़ाई छेड़ेगी। लोकसभा के लगातार तीन चुनाव जीतते हुए पिछले 11 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जिस तरह से सारी शक्तियों का केन्द्रीकरण किया है और निरंकुश कार्य पद्धति अपना रखी है, उसके विरूद्ध कांग्रेस संसद के भीतर व बाहर संघर्ष तो छेड़े हुए ही है, उसने इस अधिवेशन में जो संकल्प लिये हैं वह उसी लड़ाई को तेज व धारदार करेगी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संगठन को नया रूप देते हुए नवसंकल्पों के साथ पार्टी बेलगावी से निकलेगी और पूरे देश में अपने निश्चयों को पूरा करने हेतु जी-जान से जुट जायेगी। नव सत्याग्रह के नाम से आयोजित बेलगावी अधिवेशन ऐसे समय में हो रहा है जब देश अनेक तरह के अच्छे-बुरे घटनाक्रमों के बीच से होकर गुजर रहा है। जो सामने दिख रहा है, वह यह कि 11 वर्षों में मोदी एंड कम्पनी ने लोकतांत्रिक व संसदीय मर्यादाओं तथा परम्पराओं को तार-तार कर दिया है, तमाम संवैधानिक संस्थाओं को शक्तिहीन कर देश पर एकछत्र राज कायम किया है और लोकहितों को पूरी तरह से उपेक्षित करते हुए एक बदहाल देश खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं, विरोध की आवाज को बन्द करने के लिये उसने न केवल विपक्षी दलों में अनैतिक तरीकों से तोड़-फोड़ की है, बल्कि प्रेस की आजादी को भी कुचलकर रख दिया है। मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश में लोकतंत्र को नेस्तनाबूद करने के लिये घृणित अभियान चलाये गये। उन्होंने पहले श्कांग्रेस मुक्त भारतश् और फिर विपक्ष मुक्त भारत के न केवल नारे दिये बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर उतारने के लिये ऑपरेशन लोटस चलाया। विपक्षी नेताओं को लालच देकर या केन्द्रीय जांच एजेंसियों के जरिये डरा-धमकाकर अपनी पार्टी में शामिल किया और विरोधी दलों की निर्वाचित कई सरकारें गिराई गयीं। अपनी नापाक करतूतों को डबल इंजन सरकार का नाम देकर देश के संघीय ढांचे को ध्वस्त किया गया है। फिलहाल जो मुद्दा सर्वाधिक गरमाया हुआ है, वह है 17 दिसम्बर को राज्यसभा में अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव का अपमान करना। इसे कांग्रेस ने संसद के भीतर व बाहर जोरदार ढंग से उठाया है। सम्पूर्ण विपक्ष सहित उसने शाह की माफी व इस्तीफे की मांग की है, जिसे मानना तो दूर मोदी समेत सारा सत्ता पक्ष शाह के बचाव में उतर आया है। इसे लेकर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन भी कांग्रेस ने आयोजित किया। इस विमर्श को उसका आगे बढ़ाना इसलिये स्वाभाविक है क्योंकि धर्मनिरपेक्षता पर आधारित समतामूलक व न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के लिये बनाया गया संविधान एक तरह से कांग्रेस की ही देश को सौगात है। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में जो अंतरिम सरकार बनी थी, उसने ही अंबेडकर को कानून मंत्री बनाया था।

सरकार अर्थव्यवस्था और व्यापार की कमान संभालती है रिजर्व बैंक नहीं

नन्तू बनर्जी

रिजर्व बैंक के नये गवर्नर संजय मल्होत्रा, जो एक पेशेवर नौकरशाह और पूर्व राजस्व सचिव हैं, से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, घरेलू मुद्रा को स्थिर करने, विदेशी मुद्रा नियंत्रण और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने जैसे केंद्रीय बैंक प्रमुख के प्रमुख कार्यों को पूरा करने के मामले में बहुत उम्मीद करना अनुचित होगा। यदि 2014 के बाद से रिजर्व बैंक के तीन पूर्ववर्ती गवर्नर - रघुराम राजन, उर्जित पटेल और शक्तिकांत दास - उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम नहीं थे, तो यह उम्मीद करने का कोई कारण नहीं है कि वर्तमान रिजर्व बैंक गवर्नर का प्रदर्शन बहुत अलग होगा। शक्तिकांत दास, जो एक पेशेवर नौकरशाह और पूर्व वित्त सचिव भी हैं, का रिजर्व बैंक गवर्नर के रूप में दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल था। इसके बावजूद दास ने मूल्य और मुद्रास्फीति को रोकने में बहुत कम सफलता हासिल की, खासकर मजदूरों से जुड़े वस्तुओं के मामले में, जैसे खाद्यान्न, वस्त्र, दूध, साबुन, चीनी आदि,जो देश की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले निम्न और मध्यम आय वर्ग को चिंतित करते हैं। वह रुपये के विनिमय मूल्य में गिरावट को भी नहीं रोक पाये, तथा बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, आवक और जावक दोनों तरह से धन प्रवाह के प्रवाह, एवं व्यापार और आर्थिक विकास को भी स्थिर नहीं रख सके। इसके विपरीत चिंताजनक रूप से, रुपया-अमेरिकी डॉलर विनिमय समता 2014 से 40 प्रतिशत से अधिक गिर गयी है।

एक अमेरिकी डॉलर के लिए विनिमय दर60.34 रुपये से बढ़कर अब 85 रुपये से अधिक हो गयी है। निश्चित रूप से यह आरबीआई गवर्नर के अधिकार में नहीं है कि वह स्वतंत्र रूप से अपने कार्यात्मक उद्देश्यों को आगे बढ़ायें और अपनी सफलता या विफलता के लिए जिम्मेदार हों। यह अक्सर होता है कि आरबीआई गवर्नर सरकार और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बड़े औद्योगिक उधारकर्ताओं के दबाव में काम करते हुए देखे जाते हैं।पिछले 10 वर्षों (2013-2023) में भारत की औसत जीडीपी वृद्धि दर 8.5 प्रतिशत थी। मजदूरों से जुड़े सामान के लिए औसत खुदरा मुद्रास्फीति दर लगभग नौ प्रतिशत थी। यह कहना मुश्किल है कि आरबीआई की ब्याज दर में हेरफेर पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की उच्च मुद्रास्फीति प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने में कितनी प्रभावी रही है। आरबीआई द्वारा तय की गयी प्राइम लेंडिंगरेट का देश की अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति दरों और खपत पर बहुत कम प्रभाव पड़ा। अप्रैल 2012 में भारत की उच्चतम बैंक ऋण दर 12.56 प्रतिशत थी। 2012 से 2024 तक भारत में औसत बैंक ऋण दर 10.61 प्रतिशत थी। मुद्रास्फीति नियंत्रण, विनिमय दर स्थिरता, आर्थिक स्थिरता, व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और निर्यात को बढ़ावा देने के संबंध में आरबीआई की नीतियां इन क्षेत्रों में सरकार के अपने निर्णयों, कार्यों या निष्क्रियताओं से काफी प्रभावित होती हैं, यदि काफी हद तक निर्देशित नहीं होती हैं तो भी। कागज पर, केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति के लिए जिम्मेदार है, जिसमें मुद्रा आपूर्ति का निर्धारण करना, मुद्रा मूल्य को स्थिर करने में मदद करने के लिए मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने सम्बंधी नीतियों को लागू करना शामिल है। यदि आरबीआई रुपये की विनिमय दर स्थिरता बनाये रखने में विफल रहा है, तो इसका कारण यह है कि सरकार देश को पर्याप्त रूप से आत्मनिर्भर बनाने में पूरी तरह विफल रही है। देश तेजी से आयात पर निर्भर होता जा रहा है, जिससे साल दर साल भारी व्यापार घाटा हो रहा है। इससे रुपये की विनिमय दर स्थिरता प्रभावित हो रही है। शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) कम बना हुआ है, हालांकि आरबीआई की नीति एफडीआई के अनुकूल है। आरबीआई देश और उसके बाजार के बारे में विदेशी निवेशकों की धारणा को बदलने के लिए कुछ खास नहीं कर सकता, जो मूल रूप से सरकार का काम है। 2024 के दौरान भारत का शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केवल 10.58अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास रहने की उम्मीद है। सरकार अक्सर उच्च व्यापार घाटे के लिए बढ़ते पेट्रोलियम आयात को दोषी ठहराती है। यह सच नहीं है। उदाहरण के लिए, पिछले साल, भारत के सकल आयात (मूल्य के संदर्भ में) के प्रतिशत के रूप में पेट्रोलियम आयात 25.1 प्रतिशत था, जो 2022-23 में 28.2 प्रतिशत से कम ही है। संयोग से, भारत एक प्रमुख पेट्रोलियम निर्यातक भी है। 2023-24 में, देश का पेट्रोलियम निर्यात उसके सकल निर्यात के प्रतिशत के रूप में 12 प्रतिशत था। आरबीआई रुपये के विनिमय दर में हस्तक्षेप के लिए दैनिक निर्णय लेता है। हालांकि, यह विनिमय दर स्थिरता बनाये रखने के लिए केवल एक सीमा तक ही जा सकता है, उससे आगे नहीं। आर्थिक स्थिरता और व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल माहौल सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका काफी हद तक सरकारी कार्रवाई या उनकी कमी पर निर्भर करती है। कमजोर होती भारतीय मुद्रा बंपर निर्यात में मदद नहीं कर रही है। ऐसा पिछले कुछ वर्षों में मजबूत सरकारी दिशा-निर्देशों की कमी के कारण देश की सीमित निर्यात क्षमता के कारण है। किसी देश की मुद्रा विनिमय दर उसके सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक स्वास्थ्य निर्धारकों में से एक है। ब्याज दरों और मुद्रास्फीति दरों के साथ-साथ, विनिमय दरें किसी देश के व्यापार के स्तर में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो दुनिया की लगभग हर मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि विनिमय दरें सबसे अधिक देखी और विश्लेषित आर्थिक संख्याओं में से हैं, और उनमें से सबसे अधिक सरकारी हेरफेर के अधीन हैं। आम तौर पर, पांच प्रमुख कारक घरेलू मुद्रा की विनिमय दरों को प्रभावित करते हैं। मुद्रास्फीति दर और विदेशी व्यापार संतुलन उनमें से सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। उच्च मुद्रास्फीति का अनुभव करने वाले राष्ट्र आमतौर पर अपने व्यापारिक भागीदारों की मुद्राओं की तुलना में अपनी मुद्रा में मूल्य ह्रास देखते हैं। ब्याज दर केंद्रीय बैंक द्वारा नियंत्रण मूल्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। अपेक्षाकृत कम मुद्रास्फीति दर वाले देश में आमतौर पर उच्च मुद्रा मूल्य का अनुभव होता है, क्योंकि इसकी क्रय शक्ति अन्य मुद्राओं के सापेक्ष बढ़ जाती है। वास्तव में, बैंक दरें, मुद्रास्फीति और विनिमय दरें अत्यधिक सहसम्बद्ध हैं। केंद्रीय बैंक, ब्याज दरों में हेरफेर करके, मुद्रास्फीति और विनिमय दरों दोनों पर प्रभाव डालते हैं। ब्याज दर में बदलाव का मुद्रास्फीति और मुद्रा मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। उच्च ब्याज दरें बैंकों और अन्य उधारदाताओं को अन्य देशों की तुलना में बेहतर रिटर्न प्रदान करती हैं। उच्च ब्याज दरें विदेशी पूंजी को आकर्षित करती हैं और विनिमय दर को बढ़ाती हैं। बड़े चालू खाता घाटे और सार्वजनिक ऋण, जिन पर केंद्रीय बैंक का बहुत कम नियंत्रण होता है, विनिमय दर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक भी हैं। हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोषने अनुमान लगाया था।

एक अमेरिकी डॉलर के लिए विनिमय दर60.34 रुपये से बढ़कर अब 85 रुपये से अधिक हो गयी है। निश्चित रूप से यह आरबीआई गवर्नर के अधिकार में नहीं है कि वह स्वतंत्र रूप से अपने कार्यात्मक उद्देश्यों को आगे बढ़ायें और अपनी सफलता या विफलता के लिए जिम्मेदार हों। यह अक्सर होता है कि आरबीआई गवर्नर सरकार और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बड़े औद्योगिक उधारकर्ताओं के दबाव में काम करते हुए देखे जाते हैं।पिछले 10 वर्षों (2013-2023) में भारत की औसत जीडीपी वृद्धि दर 8.5 प्रतिशत थी। मजदूरों से जुड़े सामान के लिए औसत खुदरा मुद्रास्फीति दर लगभग नौ प्रतिशत थी। यह कहना मुश्किल है कि आरबीआई की ब्याज दर में हेरफेर पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की उच्च मुद्रास्फीति प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने में कितनी प्रभावी रही है।

फिर नदी जोड़

यह सुखद ही है कि जिन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम शुरू होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह फीसदी आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फचार फीसदी पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है। निश्चित रूप से पानी के समुचित वितरण, बाढ़ नियंत्रण, सूखे से मुकाबले और जलविद्युत उत्पादन में अधिक समानता के लिये ऐसी परियोजना की तार्किकता साबित होती है। इसके बावजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान देने की भी सख्त जरूरत है। शोध अध्ययनों में दावा किया गया है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र में बदलाव ला सकती हैं।

साथ ही परेशानी करने वाली जटिल जल-मौसम विज्ञान प्रणालियां विकसित हो सकती हैं। ऐसे में संभावित पारिस्थितिकीय क्षति की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, इस दिशा में आगे चलकर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले नीति-नियंताओं को फिर से परियोजना को तैयार करने पर संभवित प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के लिये तैयार रहना चाहिए। केन-बेतवा परियोजना के जरिये जटिल पर्यावरणीय पैटर्न का समाधान प्रदान करने के लिये विज्ञान सम्मत पहल होनी चाहिए। इसके लाभ व हानि के पक्ष का मंथन भी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि आज भी जल संरक्षण के लिये सामूहिक पहल सार्वजनिक नीति में एक गायब कड़ी बनी हुई है। ऐसे में बड़े पैमाने पर बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ,सरकार को कुशल सिंचाई परियोजनाओं, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और प्रदूषित पानी की स्वच्छता के लिये सस्ती प्रौद्योगिकियों के विकास पर अनुसंधान में तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही पर्याप्त वित्तीय समर्थन की भी जरूरत है।

बताया जा रहा है कि केन-बेतवा योजना के सिरे चढ़ने से मध्य प्रदेश की आठ लाख हेक्टेयर से अधिक व उत्तर प्रदेश की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जल शक्ति मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार करीब बासठ लाख लोगों को पेयजल की अनवरत आपूर्ति हो सकेगी। इसके अलावा जलविद्युत परियोजना के जरिये 103 मेगावाट बिजली तथा 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन प्रस्तावित है। निस्संदेह, यदि केन-बेतवा जैसी महत्वाकांक्षी योजना सिरे चढ़ती है तो अन्य नदी जोड़ परियोजनाओं के लिये भी नई जमीन तैयार हो सकेगी। इससे पहले कुछ दिन पूर्व जयपुर में पार्वती-काली सिंध व चंबल नदी लिंक परियोजना के लिये त्रिपक्षीय समझौते के सिरे चढ़ने को इस कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। भविष्य में जल संकट से निबटने में ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

अंधभक्त होने की शर्त पूरा करते लोग

सर्वमित्रा सुरजन

25 दिसम्बर को पटना में अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर एनडीए सरकार ने मैं अटल रहूंगा कार्यक्रम रखा। इसमें लोक गायिका देवी ने जैसे ही गांधी जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम गाया, सामने बैठे भाजपा नेताओं ने हंगामा शुरु कर दिया। नौबत ऐसी आ गई कि लोक गायिका को गांधी जी का भजन गाने के लिए माफी मंगवाई गई। ये घटना एक बानगी है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किस किस्म के भारत का निर्माण हो चुका है। वैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद क्रिसमस के मौके पर दिल्ली में स्थित कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया के मुख्यालय में पहुंचे थे, जहां उन्होंने शांति और सद्भाव की मन को लगने वाली अच्छी-अच्छी बातें कहीं। जर्मनी में हाल ही में क्रिसमस बाजार में हुए हमले की निंदा और श्रीलंका में पांच साल पहले 2019 में ईस्टर के मौके पर हुए।

बम विस्फोटों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने अपने नारे सबका साथ सबका विकास के नारे को ईसाई समुदाय की शिक्षाओं से जोड़ने की कोशिश की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बाइबल कहती है, एक-दूसरे का सहारा बनो। यीशु मसीह ने दया और निस्वार्थ सेवा का उदाहरण दिया है। हम क्रिसमस इसलिए मनाते हैं ताकि इन शिक्षाओं को अपने जीवन में उतार सकें। इस बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत कई और भाजपा नेता क्रिसमस के दिन चर्च गए और ईसाई समुदाय को बड़े दिन की शुभकामनाएं दीं। इधर 19 दिसम्बर को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि श्राम मंदिर के साथ हिंदुओं की श्रद्धा है लेकिन राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वो नई जगहों पर इसी तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं का नेता बन सकते हैं। ये स्वीकार्य नहीं है।श् जिस वक्त देश में हर मस्जिद के नीचे एक मंदिर तलाशने की कोशिश की जा रही है, और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद खुदाई का कार्य किया जा रहा है। उस समय श्री भागवत के बयान का यह निहितार्थ निकाला गया कि संघ प्रमुख इशारों में फिर से नरेन्द्र मोदी को नसीहत दे रहे हैं कि उनके शासन में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाले ये प्रकरण संघ को ठीक नहीं लग रहे हैं। हालांकि अब संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर का जो संपादकीय आया है, उसमें फिर यह बात स्थापित हो गई कि संघ जिन उद्देश्यों के साथ सौ साल पहले अस्तित्व में आया था, वह अब भी उन्हीं पर कायम है। इस संपादकीय में लिखा है कि सभ्यतागत न्याय की खोज के बारे में बात करने का वक्त आ गया है। बाबा साहेब अंबेडकर ने जाति आधारित भेदभाव की असली वजह को समझा और इसे खत्म करने के लिए कुछ संवैधानिक उपाय हमारे सामने रखे। हमें धार्मिक झगड़ों को समाप्त करने के लिए इसी तरह के दृष्टिकोण की जरूरत है। संपादकीय में तर्क दिया गया है कि यह तभी संभव है जब मुस्लिम समुदाय सत्य को स्वीकार करे और अगर यह समुदाय इससे इनकार करता है तो इससे अलगाववाद को बढ़ावा मिलेगा। आर्गनाइजर लिखता है -भारत के मुस्लिम समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह आक्रांताओं द्वारा हिंदुओं के साथ किए गए श्ऐतिहासिक अन्यायश् को स्वीकार करे। सोमनाथ से लेकर संभल और इसके आगे तक सच को जानने की यह लड़ाई धार्मिक श्रेष्ठता के बारे में नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय पहचान को साबित करने और श्सभ्यतागत न्यायश् के बारे में है। इधर विश्व हिंदू परिषद के एक नेता सुरेंद्र जैन ने एक टीवी चौनल से चर्चा में कहा कि श्1984 में भारत के संतों ने मुस्लिम समाज को बहुत अच्छा ऑफर दिया था कि आप हमें केवल तीन दे दीजिए, अयोध्या, मथुरा और काशी.. हम लाखों को भूल जाएंगे। आज की परिस्थिति जो बनी है उसके लिए मुस्लिम नेतृत्व जिम्मेदार है। अयोध्या हमने लिया है वो लड़कर लिया है। यदि मुस्लिम उस समय आगे आए होते तो ये तीनों स्थान हमारे होते, ये विषय ही नहीं आता है। नरेन्द्र मोदी और मोहन भागवत ने जो बयान दिए हैं, उनमें और उपरोक्त बातों में कोई तालमेल नजर नहीं आता। लेकिन फिलहाल यही देश की हकीकत है कि शीर्ष पर बैठे लोग प्रेम और सद्भाव का ज्ञान दे रहे हैं और उनके अधीनस्थ या निर्देशन में काम कर रहे लोग नफरत को बढ़ाने में लगे हैं। मुसलमानों को मीठी जुबान में धमकी दी जा रही है कि हमें मस्जिदों को तोड़कर मंदिरों की तलाश करने दो। हालांकि वास्तव में यह धमकी देश के संविधान और न्याय व्यवस्था को दी जा रही है कि बाबरी मस्जिद जैसी घटनाएं देश में बार-बार होंगी और हिंदुत्व के ठेकेदारों को तब तक कोई रोक नहीं पाएगा, जब तक संघ और भाजपा की सरपरस्ती में देश चलेगा। जब इंडिया गठबंधन सामाजिक न्याय के मुद्दे को राजनीति की मुख्यधारा में लाने की कोशिश में है, तब संघ सभ्यतागत न्याय का नया शिगूफा छोड़ चुका है।क्रिसमस के मौके पर देश में कई स्थानों पर ऐसी घटनाएं हुईं, जो मोदी और भागवत के बयानों के ठीक विपरीत हैं। इंदौर में जोमैटो कंपनी के एक कर्मचारी को हिंदू संगठन के लोगों ने बीच सड़क पर रोककर उसकी सांता क्लॉज की पोशाक उतरवाई और बाकायदा इसका वीडियो भी बनाया।

बम विस्फोटों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने अपने नारे सबका साथ सबका विकास के नारे को ईसाई समुदाय की शिक्षाओं से जोड़ने की कोशिश की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बाइबल कहती है, एक-दूसरे का सहारा बनो। यीशु मसीह ने दया और निस्वार्थ सेवा का उदाहरण दिया है। हम क्रिसमस इसलिए मनाते हैं ताकि इन शिक्षाओं को अपने जीवन में उतार सकें। इस बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत कई और भाजपा नेता क्रिसमस के दिन चर्च गए और ईसाई समुदाय को बड़े दिन की शुभकामनाएं दीं। इधर 19 दिसम्बर को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि श्राम मंदिर के साथ हिंदुओं की श्रद्धा है लेकिन राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है।

डीएसए प्रीमियर लीग में दिल्ली एफसी, तरुण संघा की बड़ी जीत

नयी दिल्ली। प्लेयर ऑफ द मैच ओलेन सिँह नींगठोजाम के दो शानदार गोलों की मदद से तरुण संघा ने यूनाइटेड भारत को 4 -1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग के दूसरे चरण में बड़ी जीत के साथ शुरुआत की। दिन के दूसरे मैच में जैकब के दो बेहतरीन गोलों से दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड को 5-0 से परास्त किया। तरुण संघा के लिए नरेश मेटी और रिलेक्स सिंह ने भी एक-एक गोल किये। वहीं यूनाइटेड भारत का गोल जावेद अख्तर ने किया।

दिल्ली एफसी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' जैकब ने दो गोल किये। आरिस खान, अबेलसन जाची और थॉन्गखोग मायूम ने एक एक गोल जमाए। विजेता टीम ने 12 मैचों में 25 अंक बना लिए हैं जबकि नेशनल यूनाइटेड 12 अंक जुटा पाई है। तरुण संघा ने दूसरे लेग की शुरुआत जीत के साथ की और 14 अंक बनाए हैं। पराजित यूनाइटेड भारत के मात्र छह अंक हैं और अंक तालिका में सबसे पीछे है।

सुनील गावस्कर का दावा-विराट कोहली को हल्के में नहीं छोड़ा गया, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने सजा को कम बताया

एजेंसी

मेलबर्न। भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने दावा किया कि विराट कोहली के साथ कोई विशेष व्यवहार नहीं किया गया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के कुछ पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट में पदार्पण कर रहे सैम कोंस्टास के साथ शारीरिक टकराव की घटना को हल्के में लिया गया। कोहली और टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास के बीच चौथे टेस्ट के पहले दिन बृहस्पतिवार को मैदान पर झड़प हो गई जिसके लिए भारतीय क्रिकेटर पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया। उन्नीस साल के कोंस्टास ने हालांकि पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा कि कोहली जानबूझकर उनसे नहीं टकराये थे। उन्होंने कहा ,'' विराट कोहली गलती से मुझसे टकरा गए। यह क्रिकेट है और तनाव में ऐसा हो जाता है।' यह टकराव शुक्रवार को भी चर्चा का विषय बना रहा और गावस्कर ने कोहली के खिलाफ कड़े शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की आलोचना की। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने कोहली लिए कड़ी सजा की मांग की थी। गावस्कर ने उन दावों को खारिज करते हुए टिप्पणी की, ''आप किसी की जेब काटने के लिए किसी व्यक्ति को फांसी नहीं दे सकते।'' उन्होंने कहा, ''यह रकम के मामले में मामूली सजा है। ये सभी खिलाड़ी काफी अधिक वेतन पाने वाले पेशेवर हैं। ऐसे में कोई भी रकम शायद कम लगे। आप यह कह सकते हैं कि हम जो देखते हैं और अनुभव करते हैं उसके कारण सजा हो सकती है लेकिन यह आईसीसी द्वारा अधिकतम तय सजा है।'' उन्होंने कहा, '' ऐसा नहीं है कि उन पर कोई एहसान किया गया है। उनकी सजा में अगर 10 प्रतिशत कम रकम होती तो आप कह सकते थे कि कोई उपकार हुआ है। गावस्कर ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की आलोचना करते हुए कहा, ''ऑस्ट्रेलियाई मीडिया अपनी टीम के लिए 12वें या 13वें खिलाड़ी की तरह काम करता है, जिसे भी वह अपनी टीम के लिए खतरा मानता है, उसे निशाना बनाता है।''उन्होंने कहा, ''वे कह रहे हैं कि कोहली को एक छोटे से अपराध के लिए फांसी दी जानी चाहिए और वह इसलिए बच गया क्योंकि उसका रूतबा बहुत बड़ा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का हालांकि मानना है कि कोहली को कम सजा दी गयी। पोंटिंग ने 'चैनल 7' पर कहा, ''व्यक्तिगत रूप से, मुझे नहीं लगता कि यह सजा पर्याप्त कठोर था। ऐसी मिसालें हैं, अतीत में चीजें हुई हैं और यह आम तौर

15-25 प्रतिशत ठीक रही है, लेकिन यह बड़ी घटना थी।'' उन्होंने कहा, ''यह दुनिया भर में पूरे साल भर में क्रिकेट का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला दिन था। सोचिए अगर इस स्तर पर ऐसा होता है तो इसके क्या परिणाम होंगे? मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे कि यह अब लगभग स्वीकार्य है।'' पूर्व दिग्गज मार्क वॉ ने भी 'फॉक्स स्पोर्ट्स' के लिए कमेंट्री के दौरान ऐसे ही विचार साझा किये।

उन्होंने जोर देकर कहा, '' आप इस तरह के मामलों में तय सजा को बदल नहीं सकते हैं। विराट कोहली इस मामले को पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे, 'मैंने गलत काम किया है'।

इरफान पठान ने एयूएस मीडिया की कर डाली ऐसी की तैसी

विराट को लेकर दोगलापन बर्दाश्त नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन सैम कोंस्टास से भिड़ने को लेकर आलोचकों के निशाने पर हैं। मेलबर्न टेस्ट मैच के पहले दिन विराट ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेब्यू कर रहे 19 साल के कोंस्टास को कंधा मारा था, जिसके बाद इन दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। विराट की इस हरकत के लिए आईसीसी ने उन पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया और साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया। विराट को इस व्यवहार के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने भी लताड़ा था। इरफान पठान, रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों ने विराट की इस हरकत को गलत ठहराया था, लेकिन जब ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने सभी हदें पार करते हुए विराट को जोकर कहा, तो यह बात गावस्कर और इरफान दोनों से बिल्कुल बर्दाश्त नहीं हुई। इरफान पठान ने इस पूरे मुद्दे पर सुनील गावस्कर के साथ स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान कहा, 'एक तो जो यहां पर जो पूर्व क्रिकेटर्स हैं और जो ऑस्ट्रेलियाई मीडिया है, वह दोगलेपने की हद पार कर रहे हैं। उसका कारण है कि आप पहले किसी इंसान को राजा बना रहे हो। हम में से किसी ने भी इस बात को सपोर्ट नहीं किया था, हम सभी ने यही बात बोली है कि जो रेफरी है, वह अपना काम करेगा, जो नियम बने हैं, उसका पालन किया जाएगा, लेकिन फिर आप उसको जोकर बोल रहे हो। राजा के बाद जोकर मतलब आप उसको बेचना चाहते हो, आप क्रिकेट को और ज्यादा फेमस करना चाहते हो, लेकिन किस चीज पर? आप विराट कोहली का कंधा यूज कर रहे हो, आप उसके ऊपर चढ़ने की कोशिश कर रहे हो। उनकी जो मार्केट वैल्यू है, उसका फायदा उठाकर आप चित भी मेरी पट भी मेरी करना चाह रहे हो, ये हम बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। एक पूर्व क्रिकेटर के तौर पर हम इसको बिल्कुल सहन नहीं करेंगे। यह बहुत सालों से होता जा रहा है और आगे भी होगा अगर हमने अभी इस बात का गलत नहीं कहा तो। इसी तरह इरफान पठान ने अपने साथ हुए एक वाक्ये को याद करते हुए कहा, 'जब मुझे पहली बार फाइन किया गया था, तो मेरे सामने डेमियन मार्टिन थे, उनके आउट होने पर मैंने बस ताली बजाई थी, मैंने जब डेमियन मार्टिन की विकेट निकाली थी, मैंने सिर्फ ताली बजाई थी, गाली देने की शुरुआत उन्होंने की थी।

पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने भारत को संकट में डाला

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड (दो-दो विकेट) ने चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के आखिरी सत्र में भारत के 164 के स्कोर पर पांच विकेट गिरा कर भारतीय टीम का संकट बढ़ा दिया हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत (नाबाद छह) और रवींद्र जडेजा (नाबाद चार) रन बनाकर क्रीज पर थे। इससे पहले स्टीव स्मिथ (140) की शतकीय, उस्मान ख्वाजा (57), सैम कॉन्स्टास (60) , मार्नस लाबुशेन (72) और कप्तान पैट कमिंस (49) रनों की पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 474 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया ने आज यहां के कल के छह विकेट पर 311 रन से आगे खेलना शुरु किया। रवींद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (49) को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। जडेजा ने इसके बाद मिचेल स्टार्क (15) कोभी अपना शिकार बना लिया। स्टीव स्मिथ को आकाश दीप ने बोल्ड आउट किया। स्मिथ ने 197 गेंदों में 140 रनों की पारी खेली। नेथन लायन (13) को बुमराह ने पगबाधा कर ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी का 474 के स्कोर पर अंत कर दिया था। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिये। रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। आकाश दीप ने दो और वॉशिंगटन सुंदर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र आठ रन पर कप्तान रोहित शर्मा (तीन) का विकेट गवां दिया। रोहित को पैट कमिंस ने आउट किया। इसके बाद चायकाल से ठीक पहले कमिंस ने केएल राहुल (24) को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया।

एक बार फेल हुए रोहित शर्मा

सिर्फ 5 गेंद पर बनाए 3 रन, पिछली 14 पारियों में भी रहे फ्लॉप

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बतौर ओपनर उतरे और महज 5 गेंद में ही आउट हो गए। रोहित शर्मा काफी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उन्होंने पिछली 14 पारियों में 9 बार दहाई का आंकड़ा पार नहीं किया है। रोहित का फॉर्म में न होना टीम इंडिया के लिए परेशानी की बात है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बतौर ओपनर उतरे और महज 5 गेंद में ही आउट हो गए। रोहित शर्मा काफी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उन्होंने पिछली 14 पारियों में 9 बार दहाई का आंकड़ा पार नहीं किया है।

रोहित का फॉर्म में न होना टीम इंडिया के लिए परेशानी की बात है। रोहित शर्मा ने 2024 की शुरुआत में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर टेस्ट सीरजी में 2 शतक और एक अर्धशतक ठोका। इसके चलते उन्होंने 2024 में 14 मैच की 15 पारी में 25.41 के औसत से 610 रन बनाए हैं। उन्होंने 2 शतक और 2 अर्धशतक लगाए हैं। इस सीरीज के बाद टेस्ट में रोहित शर्मा का बल्ला नहीं चला। घरेलू सरजमीं पर बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वह फेल रहे। अब ऑस्ट्रेलिया में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। रोहित ने टेस्ट करियर का 12वां शतक मार्च 2024 में धर्मशाला में जड़ा था। इसके बाद 14 पारी में महज 1 अर्धशतक ही लगाया। उन्हें फिफ्टी लगाए हुए 8 पारी हो गई हैं। शतक लगाए हुए 14 पारी हो गई हैं। ऑस्ट्रेलिया में उनकी हालत और खराब है। एडिलेड और गाबा टेस्ट में नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने के बाद मेलबर्न में ओपनिंग करने वाले रोहति शर्मा 5 गेंद पर 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनका सर्वोच्च स्कोर 10 रन है।

भारतीय रियल एस्टेट 2030 तक होगा एक लाख करोड़ डॉलर का बाजार

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र एक ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। सरकारी नीतियों का समर्थन, डिजिटल नवाचारों का बढ़ता उपयोग और संधारणीयता पर केंद्रित दृष्टिकोण के कारण यह क्षेत्र 2030 तक एक लाख करोड़ डॉलर के बाजार आकार तक पहुँचने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

आवासीय, वाणिज्यिक और बुनियादी ढाँचे के विकास ने इसे भारतीय अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ बना दिया है।भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है, जो देश के 18 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार देता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान 2030 तक वर्तमान के 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 13 प्रतिशत तक होने की उम्मीद है।

प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष 30 टियर 2 शहरों में घरों की बिक्री में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 2.08 लाख इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई, जो इन क्षेत्रों की बढ़ती मांग को दर्शाती है। साथ ही, उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएँ अब लग्जरी लिविंग और प्रीमियम सुविधाओं की ओर बढ़ रही हैं। वर्ल्डवाइड रियल्टी के सीओओ विकास अग्रवाल ने कहा, इन क्षेत्रों में उन्नत शहरी बुनियादी ढाँचे ने कनेक्टिविटी में सुधार किया है, जिससे वे निवेश के लिए बेहद आकर्षक बन गए हैं। महानगरीय ढाँचों में एकीकृत होने के कारण, इन क्षेत्रों में रियल एस्टेट की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली, मुंबई, पुणे, हैदराबाद और एनसीआर जैसे क्षेत्रों में मानेसर, न्यू गुरुग्राम और एक्सप्रेसवे नए रियल एस्टेट हॉटस्पॉट बनकर उभर रहे हैं। बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत बुनियादी ढाँचे ने इन क्षेत्रों को निवेशकों और घर खरीदारों के लिए आदर्श विकल्प बना दिया है। केडीएमजी ग्रुप के डायरेक्टर सेल्स एंड मार्केटिंग विवेक सिन्हा का कहना है पिछला साल रियल एस्टेट के लिए एक मील का पत्थर रहा है। प्रौद्योगिकी, स्थिरता और आवास सामर्थ्य में सुधार ने इस क्षेत्र को फिर से परिभाषित किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) जैसे कार्यक्रमों ने आवास को लोकतांत्रिक बनाया है, जिससे यह व्यापक जनसांख्यिकी के लिए सुलभ हो गया है। मोर्स के सीईओ मोहित मित्तल के अनुसार, शहरी बुनियादी ढाँचे का विकास टियर 2 और 3 शहरों में रियल एस्टेट को आगे बढ़ाने वाला मुख्य कारक है। ये क्षेत्र सस्ती संपत्ति की कीमतें, स्थिर मूल्य वृद्धि और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट सेक्टर तेजी से स्मार्ट प्रौद्योगिकियों और स्थिरता-उन्मुख प्रथाओं को अपना रहा है। एआई-संचालित सुविधाओं और पर्यावरण के प्रति जागरूक निर्माण के साथ स्मार्ट घर अब उद्योग में मानक बनते जा रहे हैं। सह-कार्य स्थलों और लचीले कार्यालय मॉडलों का उदय भी उभरते कार्य रुझानों के अनुकूलन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 2025 तक भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र जीडीपी में अपने योगदान को दोगुना करने की ओर अग्रसर है।

शेयर बाजार में तेजी

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले सकरात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर ऑटो, हेल्थकेयर, एफएमसीजी, आईटी और टेक जैसे समूहों में हुयी लिवाली के बल पर शेयर बाजार बढ़त बनाने में आज सफल रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 26.59 अंक बढ़कर 78699.07 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 63.20 अंक चढ़कर 23813.40 अंक पर रहा। इस दौरान मझौली कंपनियों में बिकवाली हुयी जबकि छोटी कंपनियों में लिवाली देखी गयी। बीएसई का मिडकैप 0.08 प्रतिशत फिसलकर 46325.58 अंक पर रहा जबकि स्मॉलकैप 0.28 प्रतिशत चढ़कर 55048.12 अंक पर पहुंच गया।

बीएसई में शामिल समूहों में से ऑटो 0.86 प्रतिशत, हेल्थकेयर 0.79 प्रतिशत, एफएसीजी 0.35 प्रतिशत, आईटी 0.22 प्रतिशत, टेक 0.14 प्रतिशत और फोक्सड आईटी 0.20 प्रतिशत की बढ़त में रहा। इस दौरान धातु में 1.19 प्रतिशत, तेल एवं गैस में 0.94 प्रतिशत, पांवर में 0.82 प्रतिशत की गिरावट रही। बीएसई में शामिल कंपनियों में से 4088 में कारोबार हुआ जिसमें से 2026 लाल निशान में रही जबकि 1948 में तेजी रही। 114 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर जापान का निक्केई 1.80 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 0.08 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.06 प्रतिशत की तेजी में रहा जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.01 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.04 प्रतिशत की गिरावट में रहा।

मनमोहन सिंह की विरासत हमेशा भारत की आर्थिक यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी: फिक्की

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश के शीर्ष उद्योग-व्यापार मंडल फिक्की ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को एक सच्चा राजपुरुष बताते हुए उनके निधन पर शोक जताया है और कहा है कि उनकी विरासत हमेशा भारत की आर्थिक यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। डॉ सिंह का 92 वर्ष की अवस्था में गुरुवार को निधन हो गया। फिक्की की ओर से शुक्रवार को जारी एक शोक संदेश में कहा गया है, डॉ सिंह एक शानदार अर्थशास्त्री और राजनेता थे। डॉ. सिंह ने देश के आर्थिक भाग्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जो भारत के आर्थिक उदारीकरण के निर्माता और आर्थिक सुधारों के जनक थे। उद्योगमंडल ने कहा, फिक्की डॉ. सिंह के परिवार, दोस्तों और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। उनका सौम्य व्यवहार, बौद्धिक कौशल और सार्वजनिक सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की बहुत कमी खलेगी। राष्ट्र ने एक सच्चे राजनेता को खो दिया है और उनकी विरासत हमेशा भारत की आर्थिक यात्रा का मार्गदर्शन करेगी। फिक्की ने कहा है कि वित्त मंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में उनके नेतृत्व में, भारत ने अभूतपूर्व आर्थिक विकास देखा और एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरा। उनकी दूरदर्शी नीतियों और समावेशी विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने भारत के आर्थिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उद्योगमंडल ने कहा है, डॉ. सिंह का फिक्की के साथ जुड़ाव कई दशकों तक रहा..... उन्होंने 08 जनवरी, 2007 को हमारी 80वीं वार्षिक आम बैठक में हमें हमारे मूलभूत मूल्यों की याद दिलाई और फिक्की को 'अपने संस्थापकों की भावना के साथ काम करना जारी रखने और उनके महान दृष्टिकोण और आकांक्षाओं के प्रति वफादार रहने' का मार्गदर्शन दिया।

निर्यात केन्द्रित बजट से मिल सकता 25 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यातः फियो

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय निर्यात संगठनों के संघ (फियो) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने आज कहा कि बजट में निर्यात पर अमेरिका केन्द्रित फोकस ने उन क्षेत्रों में जहां चीन पहले एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है, में भारत को लाभ हो सकता है तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल्स, ऑटोमोटिव पार्ट्स और कंपोनेंट, ऑर्गेनिक केमिकल्स, परिधान और कपड़ा, फुटवियर, फर्नीचर और होम डेकोर, खिलौने आदि जैसे क्षेत्रों में टैरिफ युद्ध के कारण लगभग 25 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात मिल सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट पूर्व चर्चा में भाग लेने के बाद यहां जारी बयान में श्री कुमार ने कहा चीन पर उच्च टैरिफ लगाने का अमेरिका का इरादा

भारतीय निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां चीन पहले एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। हमारे अध्ययन के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल्स, ऑटोमोटिव पार्ट्स और कंपोनेंट, ऑर्गेनिक केमिकल्स, परिधान और कपड़ा, फुटवियर, फर्नीचर और होम डेकोर, खिलौने आदि जैसे क्षेत्रों में टैरिफ युद्ध के कारण हमें लगभग 25 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात मिल सकता है। इसके लिए हमें बड़ी संख्या में प्रदर्शनियों में प्रदर्शन करके, क्रेता-विक्रेता बैठकों में भाग लेकर और सरकार के सक्रिय समर्थन के साथ अमेरिका में खुदरा विक्रेताओं और वितरकों के बड़े स्थानीय संघों के साथ गठजोड़ करके अमेरिका में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तीन वर्षों के लिए प्रति वर्ष 250 करोड़ रुपये (कुल 750 करोड़ रुपये) के कोष के साथ अमेरिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक विपणन योजना शुरू की जा सकती है, जिससे तीन वर्षों के अंत तक 25 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात हो सके। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के कारण इनपुट की लागत में वृद्धि और माल ढुलाई की दरें अभी भी अधिक हैं, अधिक ऋण की आवश्यकता है। खरीदार भी भुगतान करने के लिए अधिक समय की मांग कर रहे हैं। इस प्रकार, निर्यातकों को लंबी अवधि के लिए अधिक ऋण की आवश्यकता होती है, जिससे ब्याज लागत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। ब्याज समतुल्यता योजना प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले निर्यातकों को समान अवसर प्रदान कर रही थी। इस योजना ने निश्चित रूप से निर्यात में मदद की है क्योंकि 2015-2024 के बीच इस योजना के संचालन के दौरान निर्यात में 4.4 प्रतिशत की व्यापारिक व्यापार वृद्धि के मुकाबले 6.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के गैर-तेल निर्यात में वृद्धि जारी है। ब्याज समतुल्यीकरण योजना ने निर्यातकों को बहुत कम लाभ देने वाले ऑर्डर प्राप्त करने में मदद की है, जो ब्याज समतुल्यीकरण योजना के बिना खो सकते थे। प्रति निर्यातक 10 करोड़ रुपये की सीमा के साथ योजना को जारी रखा जा सकता है। फियो अध्यक्ष ने कहा कि निर्यात को बनाए रखने के लिए अनुसंधान एवं विकास और उत्पाद नवाचार महत्वपूर्ण हैं। हमारे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में हमारा अनुसंधान एवं विकास खर्च बहुत कम है। वैश्विक स्तर पर अनुसंधान एवं विकास को कर छूट या कर कटौती के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाता है। 38 में से 35 ओईसीडी देश भारी अनिश्चितता और लंबी अवधि के मद्देनजर अनुसंधान एवं विकास खर्च को कर सहायता प्रदान करते हैं। अनुसंधान एवं विकास लगभग सभी क्षेत्रों के लिए आवश्यक है, लेकिन निर्यात के उभरते क्षेत्रों के लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है, जो निर्यात के नए चालक होंगे।

प्रधान सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, राजकुमार यादव द्वारा राज आफसेट एबीसी काम्पलेक्स अपोजिट शुभम सिनेमा क्वीनटन रोड कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित कराकर 424-बी वैशाली इंक्लेब सेक्टर 9 इंदिरानगर लखनऊ से प्रकाशित।
समस्त विवाद वाराणसी न्यायलय के अधीन होंगे। फोन नं. 9935781155 E-mail :- info.shakuntimes@gmail.com RNI: UPHIN/2012/45286 प्रधान कार्यालय:- शक्तिपीठ, बरईपुर, सारनाथ, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) पिन कोड - 221007

बीजेपी से बयानों की बरसात के बाद टूटी नीतीश की चुप्पी

बोले- दो बार गलती हो गई

एजेंसी

पटना। 14 दिसंबर को केंद्रीय गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सबसे ताकतवर दूसरे नंबर के नेता अमित शाह के एक बयान ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की राजनीति को हिला दिया। उसके बाद मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने ऐसी चुप्पी साधी कि दिल्ली से लेकर पटना तक सहयोगी दलों को पसीना आ गया। भाजपा नेता एक के बाद एक बयान देने लगे और स्पष्ट शब्दों में बताने लगे कि विधानसभा चुनाव 2025 नीतीश के नेतृत्व में लड़ेंगे और आगे उनके नेतृत्व में ही सरकार बनेगी। तब जाकर नीतीश ने सीतामढ़ी में गुरुवार को चुप्पी तोड़ी और दोहराया कि दो बार गलती हो

गई लेकिन अब इधर-उधर नहीं जाएंगे और साथ में रहकर राज्य और देश का विकास करेंगे। प्रगति यात्रा पर नीतीश 23 दिसंबर से निकले हुए हैं लेकिन पिछले चार दिनों में उनका इस मसले पर ये पहला बयान है। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर संपन्न कार्यक्रम के बाद भी वो मीडिया को दूर से नमस्ते करके निकल गए थे। 19 और 20 दिसंबर को पटना में आयोजित निवेशक सम्मेलन से भी वो दूर रहे जिसमें राज्य में 1.80 लाख करोड़ के निवेश के सहमति पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। प्रगति यात्रा के तहत सीतामढ़ी पहुंचे नीतीश कुमार ने समीक्षा बैठक में कहा- हम दो बार गलती से इधर से उधर (महागठबंधन) चले गए थे। अब हम लोग हमेशा साथ (एनडीए) रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे। नीतीश के इस बयान का इंतजार बीजेपी को पिछले दो सप्ताह से था। अमित शाह ने दिल्ली में एक समाचार चैनल के कार्यक्रम में एकनाथ शिंदे का उदाहरण देकर बिहार चुनाव में नेतृत्व को लेकर सवाल किया था जिस पर भाजपा के सबसे सफल अध्यक्ष रहे अमित शाह ने कहा था कि इस तरह के कार्यक्रम में ऐसे फैसले नहीं होते। सब लोग साथ बैठकर तय करेंगे और जब तय करेंगे तो आप लोगों को बताएंगे। इसका राजनीतिक मतलब यह निकाला गया था कि 2025 के चुनाव में नीतीश के नेतृत्व को लेकर भाजपा ने अपना मन अभी अंतिम रूप से नहीं बनाया है।

बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी के खिलाफ जांच का आदेश

एजेंसी

इजरायल के न्यायिक मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी है कि सारा नेतन्याहू के खिलाफ जांच की जाएगी। मंत्रालय की ओर् से कहा गया कि हाल ही में एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें सारा नेतन्याहू पर विपक्षियों के उत्पीड़न का आरोप लगा था। इसी मामले में अब उनके खिलाफ जांच होगी।

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी के खिलाफ जांच का आदेश जारी हुआ है। इजरायल के अटॉर्नी जनरल ने नेतन्याहू की पत्नी के खिलाफ उन आरोपों की जांच का आदेश पुलिस को दिया है, जिनमें कहा गया था कि पीएम की पत्नी ने भ्रष्टाचार के केस की सुनवाई के दौरान राजनीतिक विपक्षियों और गवाहों का उत्पीड़न किया। इजरायल के न्यायिक मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी है कि सारा नेतन्याहू के खिलाफ जांच की जाएगी।

मंत्रालय की ओर् से कहा गया कि हाल ही में एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें सारा नेतन्याहू पर विपक्षियों के उत्पीड़न का आरोप लगा था। इसी मामले में अब उनके खिलाफ जांच होगी। आरोप है कि करप्शन के मामले में गवाही देने वाले लोगों या फिर विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन आयोजित कराने में सारा नेतन्याहू की भूमिका थी। इस संबंध में कुछ वॉट्सऐप मेसेज का हवाला दिया जा रहा है, जो उन्होंने कुछ लोगों को किए थे। इन मेसेजों में से एक में उन्होंने कहा था कि ट्रायल के मुख्य गवाह हादास क्लेन की घेरेबंदी की जाए और उनके खिलाफ प्रदर्शन हो।

संक्षिप्त सामाचार

अमेरिका ने मनमोहन के निधन पर जताया शोक

वाशिंगटन। अमेरिका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक तथा भारत के लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने देर रात अमेरिका की ओर से जारी शोक संदेश में कहा, डॉ. सिंह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझीदारी के सबसे महान समर्थकों में से एक थे, और उनके काम ने पिछले दो दशकों में हमारे देशों ने मिलकर जो कुछ हासिल किया है, उसकी नींव रखी। अमेरिका-भारत नागरिक परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में उनके नेतृत्व ने अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का संकेत दिया। घरेलू स्तर पर, डॉ. सिंह को उनके आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा, जिन्होंने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि को गति दी। श्री ब्लिंकन ने कहा, हम डॉ. सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं और अमेरिका तथा भारत को करीब लाने के उनके समर्पण को हमेशा याद रखेंगे।

बीपीएससी छात्रों के साथ मार्च करेंगे प्रशांत किशोर

पटना। जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आज घोषणा की है कि वह कल दोपहर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के छात्रो के साथ मार्च करेंगे। श्री किशोर ने गुरूवार को गर्दनीबाग में धरनास्थल पर छात्रों से मुलाकात की और घोषणा की कि वे शुक्रवार दोपहर एक बजे छात्रों के साथ मार्च करेंगे, जिसमें वे सबसे आगे रहेंगे। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि अब कोई उन पर लाठीचार्ज नहीं करेगा और यदि ऐसा हुआ तो सरकार गिर जाएगी। श्री किशोर ने कहा कि यदि पुलिस ने फिर से छात्रों पर लाठीचार्ज किया तो सबसे पहले वे ही लाठी खाएंगे। गैरतलब है कि जनसुरज के अध्यक्ष मनोज भारती ने बुधवार की रात गर्दनीबाग पहुंचकर पिछले कई दिनों से अनशन पर बैठे बीपीएससी छात्रों से मुलाकात की थी। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया था कि पूरी जन सुराज पार्टी उनके साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव मदद करेगी।

नीतीश महागठबंधन में आएंगे तब भी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे: राजद

पटना। बिहार में पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक (राजग) के घटक जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में चल रही रस्साकशी के बीच मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने भी राजनीतिक चाल चलकर सरगर्मी बढ़ा दी है। राजद के कद्दावर नेता भाई वीरेंद्र ने गुरुवार को स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि यदि मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के साथ भी आते हैं तो वर्ष 2025 विधानसभा चुनाव के बाद वह मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे।

गंदी राजनीति से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं संजय: कपूर

नयी दिल्ली। भाजपा के दिल्ली प्रदेश के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह पर गंदी राजनीति के जरिए लोगों का ध्यान भटकाने और गैर-जरूरी मुद्दों पर हंगामा खड़ा करने का आरोप लगाया। श्री कपूर ने कहा कि गंदी राजनीति से लोगों का ध्यान भटकाने और गैर जरूरी मुद्दों पर हंगामा खंड़ा करने आप की आदत बन चुकी है।

ओसामु सान की वजह से लाखों लोग बेहतर जीवन जी रहे हैं: भार्गव

एजेंसी

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष आर सी भार्गव ने कंपनी के मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुये आज कहा कि इस देश में हममें से लाखों लोग ओसामु सान की वजह से बेहतर जीवन जी रहे हैं। श्री भार्गव ने यहां जारी बयान में कहा मुझे अत्यंत व्यक्तिगत दुख के साथ ओसामु सुजुकी सान के निधन की खबर मिली है।

उनकी दूरदर्शिता और दूरदर्शिता, ऐसा जोखिम उठाने की उनकी इच्छा, जिसे कोई और नहीं उठाने को तैयार था, भारत के प्रति उनके गहरे और अडिग प्रेम और एक शिक्षक के रूप में उनकी अपार क्षमताओं के बिना, मेरा मानना है कि भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग वह शक्तिशाली देश नहीं बन सकता था, जो वह बन गया है। उन्होंने कई प्रधानमंत्रियों का विश्वास जीता और उनका आनंद लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बहुत करीबी समझ थी। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में ओसामु सान के योगदान और भारत और जापान के बीच पुल बनाने के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। देश में उनके असंख्य प्रशंसक और लाभार्थी उन्हें याद करेंगे। श्री भार्गव ने कहा मैंने एक ऐसे व्यक्ति को खो दिया है जो मेरे लिए भाई से भी ज्यादा करीब था। उन्होंने मेरी जिंदगी बदल दी और दिखाया कि कैसे राष्ट्रीयता लोगों के बीच एक-दूसरे के प्रति अटूट विश्वास के बंधन बनाने में कोई बाधा नहीं है। वह मेरे शिक्षक, मार्गदर्शक और एक ऐसे व्यक्ति थे जो मेरे सबसे बुरे दिनों में भी मेरे साथ खड़े रहे।

भीषण ठंड में अर्धनग्न हुए भाजपा नेता अन्नामलाई, अचानक खुद पर बरसाने लगे कोड़े

एजेंसी

तमिलनाडु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इकाई के अध्यक्ष, के अन्नामलाई ने शुक्रवार को अन्ना विश्वविद्यालय के कथित यौन उत्पीड़न मामले में न्याय की मांग करते हुए कोयंबटूर में अपने आवास के बाहर एक अनोखे विरोध प्रदर्शन में खुद को कोड़े मारने का सहारा लिया। कथित यौन उत्पीड़न मामले से निपटने में पुलिस और राज्य सरकार की उदासीनता की निंदा करने के लिए अन्नामलाई द्वारा खुद को कोड़े मारकर विरोध प्रदर्शन भी किया गया था। अन्नामलाई ने शुक्रवार को 48 दिनों की मुरुगन दीक्षा भी शुरू की और तमिलनाडु से डीएमके सरकार को हटाने तक अपने पैरों पर चप्पल या जूते नहीं पहनने की भीष्म प्रतिज्ञा ली।

अपने गृहनगर कोयंबटूर में मीडिया को संबोधित करते हुए, भाजपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपना आपा खो दिया और डीएमके सरकार की आलोचना की। राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के लिए द्रमुक सरकार पर आरोप लगाते हुए गुस्से में दिख रहे अन्नामलाई ने अपने जूते उतार दिए और कहा कि जब तक राज्य में द्रमुक सरकार को उखाड़ नहीं फेंका जाता, वह जूते नहीं पहनेंगे। जब तक द्रमुक सरकार को उखाड़ नहीं फेंका जाता, मैं नंगे पैर चलूंगा। मैं लोगों से अनुरोध कर रहा हूं, कृपया इस सब पर गौर करें। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह, हम चुनाव जीतने के लिए पैसा नहीं देने जा रहे हैं। हम बिना पैसे बांटे चुनाव लड़ेंगे. जब तक डीएमके सरकार नहीं चली जाती, मैं चप्पल नहीं पहनूंगा।

उन्होंने सभी बुराइयों को खत्म करने के लिए कल कोयंबटूर में अपने आवास के बाहर खुद को छह कोड़े मारने का भी वादा किया। उन्होंने यह भी कहा कि वह राज्य में भगवान मुरुगन के सभी छह पवित्र निवासों पर जाने के लिए 48 दिनों तक उपवास करेंगे। यह घटना अन्ना विश्वविद्यालय में 19 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न के संबंध में राज्य भाजपा द्वारा बुलाए गए मीडिया संबोधन के दौरान सामने आई। प्रेस वार्ता में उन्होंने मामले में एफआईआर को लीक करने के लिए राज्य पुलिस पर भी हमला बोला, जिसमें 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र की पहचान उजागर हुई थी।

कायर पाकिस्तान ने बच्चों तक को मार डाला

अफगानी कभी भूलते नहीं, तालिबान ने दी अंजाम भुगतने की धमकी

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान ने पिछले दिनों अफगानिस्तान के पाकतीका प्रांत में भीषण हमले बोले थे। पाकिस्तान का कहना था कि उसने ये हमले आतंकी ठिकानों पर किए हैं, लेकिन अफगानिस्तान इस पर भड़क गया है। अफगानिस्तान की सत्ता संभालने वाले तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने पाकिस्तान को अंजाम भुगतने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान के इन कायराना हमलों को कभी नहीं भूलेंगे। इसका बदला लिया जाएगा। सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर कब्जे की 45वीं बरसी के मौके पर

तालिबान लीडकर ने कहा कि पाकिस्तान जैसे देशों को रूस, ब्रिटेन और नाटो से सीख लेनी चाहिए। इन सभी देशों को अफगानिस्तान ने सबक सिखाया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सोच-समझकर ही अफगानिस्तान के बारे में कोई कदम उठाना चाहिए। मुत्ताकी ने कहा कि बच्चों को मारना, महिलाओं और बुजुर्गों का कत्ल करना कोई बहादुरी नहीं है। यह कोई साहस नहीं है कि लोगों के घरों को तबाह कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि वजीरिस्तान के लोग भी आज पाकिस्तान के चलते बेघर हो गए हैं।

वहीं तालिबान के डिप्टी पीएम मावलावी अब्दुल कबीर ने काबुल यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में कहा कि हमने अपनी जमीन से किसी उग्रवादी समूह को ऑपरेशन का मौका नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान पर गलत आरोप लगाए जाते हैं और इससे नुकसान ही होगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र संघ का भी कहना है कि पाकिस्तान के हमलों में दर्जनों महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे मारे गए हैं। इन हवाई हमलों से बड़ा नुकसान हुआ है। पाकिस्तानी सेना के हवाई हमलों से कुछ इलाकों में बड़ा नुकसान पहुंचा है। अब तक स्पष्ट नहीं है कि तालिबान का ऐक्शन क्या होगा, लेकिन उसके नेताओं का कहना है कि बदला लिया जाएगा। अफगानिस्तान के एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि यह हमला बताता है कि न पाकिस्तान को इस्लामिक सिद्धांतों की परवाह है और ना ही वह कूटनीतिक मामलों को महत्व देता है। इस हमले में बड़ी संख्या में बच्चे और महिलाएं मारे गए हैं, जो दुख की बात है। दरअसल पाकिस्तान का लगातार आरोप रहा है कि उसके खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सक्रिय आतंकियों को अफगानिस्तान से संरक्षण मिलता रहा है।

जयशंकर ने व्हाइट हाउस में एनएसए सुलिवन से मुलाकात की, क्षेत्रीय, वैश्विक विकास पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का अधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर व्यापक चर्चा की। जयशंकर वर्तमान में अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान उनका अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन और निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अन्य वरिष्ठ सदस्यों से मिलने का कार्यक्रम है।

जयशंकर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत-अमेरिका

रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर व्यापक चर्चा हुई। साथ ही मौजूदा क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। विदेश मंत्री की नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठकें करने की भी संभावना है। शीर्ष भारतीय राजनयिक 24 दिसंबर से 29 दिसंबर तक अपनी मौजूदा अमेरिकी यात्रा के दौरान भारत के महावाणिज्यदूतों के एक सम्मेलन की अध्यक्षता भी करेंगे।

इज़रायल ने यमन पर हवाई हमले शुरू किये: नेतन्याहू

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि यमन की राजधानी सना और हुदैदाह प्रांत पर हमले के साथ इजरायल अभी शुरुआत की है। एक स्थानीय सरकारी सूत्र ने गुरुवार को बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने यमनी आंदोलन अंसार अल्लाह, जिसे हूती के नाम से भी जाना जाता है, द्वारा नियंत्रित यमनी राजधानी सना पर छह हवाई हमले किए और हवाई अड्डे को भारी नुकसान पहुंचा है। इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बाद में हमले की पुष्टि की, जिसमें हवाई अड्डे पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधिमंडल के विमान से कुछ ही फीट की दूरी पर स्थित इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। फिलहाल मरने वालों की संख्या 6 है और 40 घायल हैं। 'द टाइम्स ऑफ़ इज़रायल' अखबार ने

नेतन्याहू के हवाले से कहा हम अभी उनके साथ शुरुआत कर रहे हैं... हम उन्हें इन दिनों, आज और किसी भी दिन (इज़रायल पर हमला करने की) अनुमति नहीं देंगे। जब तक वे सीख नहीं लेते तब तक हम उन पर अंतिम प्रहार करेंगे। जैसा कि मैंने कहा, हमास ने सीख लिया , हिज़्बुल्लाह ने सीखा, और सीरिया ने सीखा। हूती भी सीखेंगे। पिछले हफ्ते, उत्तरी यमन पर शासन करने वाले हूती ने जिन्हें अंसार अल्लाह के नाम से भी जाना जाता है, ने इज़रायल को उसके किसी भी हमले का आनुपातिक जवाब देने की धमकी दी थी। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या साड़ी ने कहा कि गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजरायल के चल रहे अपराधों से इराक में इस्लामी प्रतिरोध के साथ अधिक हमले और संयुक्त अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

जैन तीर्थ पर हुआ प्रभु का मांत्रिक महापूजन

बारां। राजस्थान में कोटा-बारां राजमार्ग पर बमूलिया के निकट स्थित गुणवर्धन शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन तीर्थ पर भगवान पार्श्वनाथ का तीन दिवसीय जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जा रहा है। इस धार्मिक कार्यक्रम के लाभार्थी पूर्व मंत्री प्रमोद जैन परिजन रहे। पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, अशोक बोरडिया ने बताया कि बारां जैन तीर्थ के प्रांगण में गुणवर्धन शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु का मांत्रिक महापूजन हुआ, जिसमें 40 पीठिका युक्त एवं दो मुख्य पीठिका युक्त महापूजन में परमात्मा की मंत्राक्षर से पूजन हुआ। गुरुदेव द्वारा बारां जैन तीर्थ में पर्यटन किया और तीर्थ का बारीकी के साथ निरीक्षण किया। जिनालय में भी गुरुदेवश्री ने शिल्प एवं कला के सुंदर नये आयाम बताये, जिससे समस्त बारां सकल श्रीसंघ तथा तीर्थ निर्माता परिवार गुरूदेव के ज्ञान से प्रभावित हुये। आचार्यदेव नयचन्द्र सागर सूरी ने कहा कि यह तीर्थधाम जिन शासन के महान तीर्थों में से एक साकार हो रहा है। यह तीर्थ अपनी भव्यता और दिव्यता से आने वाले दर्शनार्थियों को प्रसन्न करता है। यह तीर्थ शासन देवों की कृपा से अजर-अमर रहे, ऐसा आशीर्वाद दिया।